बर्ष:- 05
अंक:- 305
मुरादाबाद
(Friday)
27 February 2026
पृष्ठ:-8
मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

जापान में सीएम योगी: 501 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बुलेट ट्रेन में किया सफर, बयान किए अपने अनुभव

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान दौरे पर बुलेट ट्रेन में सफर किया और अपने अनुभव बयान किए। उनहोंने कहा कि यह स्वच्छ, कुशल और सटीक परिवहन के भविष्य का प्रतीक है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जापान के दौरे पर हैं। जहां उन्होंने यूपी में निवेश के लिए अब तक कई कंपनियों के साथ करीब 11 हजार करोड़ रुपये के एमओयू पर साइन किए।सीएम योगी ने जापान की बुलेट ट्रेन में भी सफर किया और अपने अनुभव बयान किए। उन्होंने सोशल मीडिया साइट पर लिखा कि आप देख सकते हैं कि मैं 501 किमी/घंटा की रफ्तार से यात्रा कर रहा था। यामानाशी में मैंने जापान की उन्नत स्ष्ट्स्ल्स्स्वङ्क ट्रेन का अनुभव किया, जो अगली पीढ़ी की उच्च गति प्रणाली है और 500 किमी/घंटा तक की गति प्राप्त कर सकती है। यह स्वच्छ, कुशल और सटीक परिवहन के भविष्य का प्रतीक है।असाधारण गति पर भी यात्रा सुगम और उल्लेखनीय रूप से स्थिर रही, जो नवाचार और दीर्घकालिक अवसंरचना उत्कृष्टता के प्रति जापान की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।जब प्रौद्योगिकी इतनी तेज़ी से आगे बढ़ती है, तो भविष्य पहले से कहीं अधिक निकट प्रतीत होता है।जापान के यामानाशी प्रांत में यूपी इन्वेस्टमेंट रोड शो के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने निवेश का आमंत्रण दिया। इसी कड़ी में यूपी-यामानाशी के बीच ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक पर एमओयू हुआ है। इसके तहत यूपी के उच्च तकनीकी संस्थानों के छात्र जापान में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। तकनीक को प्रदेश की इंडस्ट्री, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और ऊर्जा क्षेत्र में लागू किया जाएगा।उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ जापान दौरे पर हैं। गुरुवार को यामानाशी प्रांत के साथ ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक को लेकर एमओयू हुआ है। इसके तहत भारतीय छात्रों को जापान में उच्चस्तरीय प्रशिक्षण मिलेगा। सीएम ने यामानाशी में आयोजित यूपी इन्वेस्टमेंट रोड शो में हिस्सा लिया। साथ ही यूपी की नई विकास नीति और निवेश संभावनाओं को वैश्विक उद्योग जगत के सामने प्रमुखता से रखाउन्होंने कहा कि यूपी ने शासन की कार्यशैली को रिएक्टिव से बदलकर प्रोएक्टिव बनाया है। यही परिवर्तन आज प्रदेश की तेज आर्थिक प्रगति का आधार बना है। उधर, यूपी के प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो में कई जी2जी (गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट) और जी2बी (गवर्नमेंट टू बिजनेस) स्तर की बैठकों में भाग लिया है। वहां भारतीय दूतावास के सहयोग से जापानी उद्योग समूहों से व्यापक संवाद हुआ। ग्रीन हाइड्रोजन पर ऐतिहासिक समझौता- इस मौके पर सीएम ने आगे कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक को प्रदेश की इंडस्ट्री, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और ऊर्जा क्षेत्र में लागू किया जाएगा। यह पहल प्रधानमंत्री मोदी के नेट जीरो लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। तकनीक और भविष्य के क्षेत्रों पर जोर- सीएम ने रोबोटिक्स को भविष्य की प्रमुख तकनीक बताया। कहा कि, यूपी सरकार ने बजट में रोबोटिक्स के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने की व्यवस्था की है। हमें विश्वास है कि यामानाशी से सहयोग भारत-जापान संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाएगा। ऊर्जा आत्मनिर्भरता तथा तकनीक को आम जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।उत्तर प्रदेश की ताकत को दुनिया के सामने रखा- सीएम ने कहा कि लगभग 25 करोड़ की आबादी वाला उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राज्य है। वहां प्रकृति की विशेष कृपा है। भारत की सबसे उर्वर भूमि, सर्वाधिक जल संसाधन, विशाल मानव संसाधन और आध्यात्मिक-सांस्कृतिक विरासत उत्तर प्रदेश को विशेष पहचान देते हैं। पिछले नौ वर्षों में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय तथा अर्थव्यवस्था तीन गुना करने में सफलता मिली है। %रिएक्टिव से प्रोएक्टिव% मॉडल बना विकास का आधार- सीएम ने कहा कि पहले समस्याओं पर प्रतिक्रिया देने वाली व्यवस्था थी। अब प्रदेश ने प्रोएक्टिव गवर्नेंस मॉडल अपनाया है। निवेश आकर्षित करने, उद्योगों को सुविधा देने, नई तकनीक अपनाने और वैश्विक साझेदारी बढ़ाने की दिशा में सरकार लगातार पहल कर रही है। इसी सोच के साथ उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जापान की यात्रा पर आया है। ताकि, संभावनाओं को अवसर में बदला जा सके। यामानाशी से गहरे होते संबंध- सीएम ने यामानाशी प्रांत के राज्यपाल एवं उनकी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। मौजूद इंडस्ट्री लीडर्स तथा भारतीय समुदाय के लोगों का भी स्वागत किया। कहा कि दिसंबर 2024 में यामानाशी के राज्यपाल उत्तर प्रदेश आए थे। उसके बाद दोनों सरकारों के बीच निरंतर संवाद, फॉलोअप तथा प्रतिनिधिमंडलों के आदान-प्रदान से यह सहयोग नई दिशा में आगे बढ़ा। बिजनेस डेलीगेशन के अध्ययन और रिपोर्ट के बाद आज राज्यपाल के आमंत्रण पर प्रतिनिधिमंडल यामानाशी पहुंचा है। इस अवसर पर यामानाशी प्रांत के राज्यपाल कोटारो नागासाकी, उपराज्यपाल जुनिचि इशिदरा, उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता %नंदी%, जापान में भारत की राजदूत नगमा मलिक समेत यूपी सरकार के प्रतिनिधिमंडलके अधिकारीगण, यामानाशी के इंडस्ट्री लीडर्स तथा भारतीय समुदाय से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

अब नहीं चलेगी परमाणु धमकी, भारतीय सेना ने पाकिस्तान को दी ऑपरेशन सिंदूर 2.0 की चेतावनी

भारतीय सेना ने परमाणु धमकियों पर पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। पश्चिमी कमान प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने साफ कहा कि अब भारत पाकिस्तान की परमाणु धमकियों से नहीं डरेगा। सेना की रणनीति बदल चुकी है और अगली कार्रवाई पहले से ज्यादा कठोर होगी।भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े सैन्य तनाव के बीच भारतीय सेना ने साफ संदेश दिया है कि अब पाकिस्तान की परमाणु धमकियों का कोई असर नहीं होगा। पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना की रणनीति बदल चुकी है और अगली कार्रवाई पहले से कहीं ज्यादा कड़ी होगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भारत अब सिर्फ जवाब नहीं देगा बल्कि जमीन पर निर्णायक जीत हासिल करने की तैयारी में है।पठानकोट में आयोजित एक सैन्य सम्मान समारोह में लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान के सभी बड़े आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। तान ने जवाबी कार्रवाई की, लेकिन भारतीय सेना ने उनके सैन्य और हवाई ठिकानों को भी तबाह कर दिया। उन्होंने कहा कि हालात ऐसे हो गए थे कि पाकिस्तान को सीधे और अन्य देशों के जरिए युद्धविराम की मांग करनी पड़ी।

भाई-बहन में बंद थी बातचीत फिर वायनाड..., प्रियंका के संसदीय क्षेत्र में राहुल ने सुनाया किस्सा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बहन प्रियंका गांधी से जुड़ी एक किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि उनकी और बहन वाड्रा की बातचीत बंद थीकांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुवार को केरल दौरे पर है। इस दौरान वे 2024 के वायनाड भूस्खलन के पीड़ितों के लिए पार्टी की ओर से बनाई गई घरों का आधारशिला रखा। इसी बीच वे अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के बारे में एक किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि वाड्रा को वायनाड कितना पसंद है। वायनाड के लोगों को अपने परिवार का सदस्य बताया उन्होंने कहा, जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, आपके सोचने का तरीका बदलने लगता है। मेरा मानना है कि राजनेताओं को अपने बारे में अधिक खुलकर बोलना चाहिए और जो कुछ हो रहा है उसके बारे में अधिक पारदर्शी होना चाहिए। गांधी ने वायनाड के लोगों को अपने परिवार के सदस्य बताते हुए हाल ही की एक घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इससे वाड्रा नाराज हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी और उनकी बहन की अक्सर छोटी-छोटी बातों पर बहस हो जाती है। आगे उन्होंने कहा कल वो मुझसे बात नहीं कर रही थी। फिर मैं अपनी मां से मिलने गया। उन्होंने पूछा कि तुम्हारी बहन कैसी है?' मैंने उन्हें बताया कि वे परेशान हैं और मुझसे बात नहीं कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि वायनाड की यात्रा योजना पर चर्चा करते समय उन्होंने अपनी मां से कहा कि उन्होंने अपनी बहन को फंसा लिया है। उन्होंने कहा, क्योंकि वह वायनाड आ रही है और वह मुझसे बात किए बिना नहीं रह सकती। गांधी ने कहा कि सुबह जब उन्होंने विमान में वाड्रा का अभिवादन किया, तो वह अभी भी परेशान लग रही थीं। लेकिन जब हम यहां पहुंचे, तो उसने मुझसे बात करना शुरू कर दिया। यही वायनाड का जादू है। गांधी लोकसभा में वायनाड से पूर्व सांसद थे। 2024 के संसदीय चुनावों के बाद, उन्होंने वायनाड सीट खाली कर दी, जिसके बाद वाड्रा लोकसभा में इसके प्रतिनिधि के रूप में चुनी गईं।

सुनेत्रा पवार बनीं एनसीपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष, बेटे पार्थ पवार को राज्यसभा भेजने की तैयारी

एनसीपी के मुंबई अधिवेशन में सुनेत्रा पवार को सर्वसम्मति से पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। अजित पवार के निधन के बाद उन्हें पहले उपमुख्यमंत्री और अब संगठन की कमान सौंपी गई है। बारामती से उनके चुनाव लड़ने की चर्चा भी तेज है। वहीं पार्थ पवार को भी बड़ी जिम्मेदारी मिलने की संभावना जताई जा रही है। महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा बदलाव सामने आया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी में नेतृत्व परिवर्तन के साथ नया राजनीतिक अध्याय शुरू हो गया है। पार्टी की वरिष्ठ नेता और राज्य की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को सर्वसम्मति से एनसीपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। पार्टी बैठक में लिया गया यह फैसला राज्य की राजनीति में अहम माना जा रहा है। अजित पवार की विमान हादसे में मौत के बाद पार्टी और सत्ता दोनों की जिम्मेदारियों में बड़ा बदलाव देखने को मिल।अजित पवार के निधन के बाद महाराष्ट्र की राजनीति अचानक नए मोड़ पर आ गई थी। उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सुनेत्रा पवार को सौंपी गई और अब उन्हें पार्टी की राष्ट्रीय कमान भी मिल गई है। पिछले कुछ दिनों से एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय की चर्चा चल रही थी, लेकिन अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेताओं ने इसमें खास रुचि नहीं दिखाई। इसके बाद पार्टी ने संगठन को मजबूत करने के लिए नया नेतृत्व तय किया और सुनेत्रा पवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का फैसला लिया गया।मुंबई अधिवेशन में सर्वसम्मति से फैसला- एनसीपी का राष्ट्रीय अधिवेशन 2026 मुंबई के वर्ली इलाके में आयोजित किया गया, जिसमें पार्टी के सभी बड़े नेता और पदाधिकारी शामिल हुए। अधिवेशन के दौरान सुनेत्रा पवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव रखा गया। इस प्रस्ताव को सभी नेताओं ने एकमत से मंजूरी दी। पार्टी नेता प्रफुल्ल पटेल ने औपचारिक रूप से उनके नाम की घोषणा की। साथ ही यह भी तय किया गया कि प्रफुल्ल पटेल पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष रहेंगे, जबकि महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सांसद सुनील तटकरे संभालेंगे।

पार्थ पवार को राज्यसभा भेजने की तैयारी - एनसीपी के नेता प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि पार्टी अजित पवार के बेटे पार्थ पवार को राज्यसभा सदस्य के लिए नामित करेगी। यह सीट उनकी मां सुनेत्रा पवार के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी।पार्टी का कहना है कि पार्थ अजीत पवार का नामित होना एनसीपी की रणनीति और अनुभव को राज्यसभा में आगे बढ़ाने का कदम है।बारामती से विधायक बनने की चर्चा तेज-राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा तेज हो गई है कि सुनेत्रा पवार जल्द ही बारामती विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ सकती हैं। यह सीट अजित पवार की राजनीतिक पहचान मानी जाती रही है। अगर उपचुनाव होता है तो सांसद सुप्रिया सुले ने उम्मीद जताई है कि यह चुनाव निर्विरोध भी हो सकता है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि आने वाले समय में सुनेत्रा पवार विधानसभा पहुंचकर राज्य की राजनीति में और मजबूत भूमिका निभा सकती हैं।

हाईकोर्ट ने जनहित याचिकाओं पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा को जारी किया नोटिस, नफरती भाषण देने का आरोप

गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने कथित नफरती भाषपणों के लिए जनहित याचिकाओं पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा को नोटिस जारी किया है। इसके अलावा, राज्य सरकार और डीजीपी को भी नोटिस जारी किया गया है।गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने गुरुवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा को नोटिस जारी किया। यह नोटिस कुछ जनहित याचिकाओं (पीआईएल) पर दिया गया है, जिनमें उन पर नफरती भाषण देने और सांप्रदायिक टिप्पणियां करने के आरोप हैं, खासकर %मिया% समुदाय के खिलाफ। तीन अलग-अलग याचिकाओं पर राज्य सरकार और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को भी नोटिस जारी किए गए।मुख्य न्यायाधीश (सीजे) अशुतोष कुमार और न्यायाधीश अरुण देव चौधरी की एक खंडपीठ ने इन तीन याचिकाओं की सुनवाई की। अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 21 मार्च तय की है। वकील सांतनु बोरठाकुर पीटीआई से बातचीत में कहा, उत्तरदाता अगली तारीख से पहले नोटिस का जवाब देंगे। अदालत ने कोई अन्य आदेश नहीं दिया है।याचिका में क्या मांग की गई थी?एक याचिका असम के साहित्यकार हिरेन गोहेन, पूर्व डीजीपी हरेकृष्ण डेका और वरिष्ठ पत्रकार परेश मलाकर ने 24 फरवरी को दायर की थी। इसके अलावा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने 21 फरवरी को अलग याचिकाएं दायर की थीं, जिसमें मुख्यमंत्री को इस तरह की टिप्पणियां करने से रोकने का अनुरोध किया गया।सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की थीं सरमा के खिलाफ याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट ने 16 फरवरी को उन याचिकाओं को खारिज कर दिया था, जिनमें मुख्यमंत्री सरमा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। इन याचिकाओं में एक वायरल वीडियो दिखाया गया था, जिसमें वह कथित तौर पर किसी विशेष समुदाय के सदस्यों को राइफल से निशाना साधते हुए दिखाई दे रहे थे। %मिया% मूल रूप से असम में बंगाली भाषी मुसलमानों के लिए अपमानजनक शब्द है। गैर-बंगाली भाषी लोग उन्हें आम तौर पर बांग्लादेशी आप्रवासियों के रूप में पहचानते हैं। हाल के वर्षों में, इस समुदाय के सक्रिय कार्यकर्ताओं ने विरोध के संकेत के तौर पर इस शब्द को अपनाना शुरू कर दिया है।

संपादकीय Editorial

Cities in the Making and Falling

Civil society will also have to decide how Himachal's cities will be transformed amid the growing demands of urbanization. While the bouandaries of urban development are being expanded with the launch of new municipal corporations, and new resolutions are being raised from the Gramin Sansad to the debate on urban environment, citizens also need answers to accountability. Shimla has expanded its budgetary resources, increasing its proposed expenditure from last year's 188 crore rupees to 688 crore rupees this year. This means that in a single year, it has prepared a blueprint for development infrastructure with an additional 500 crore rupees. It will build flats with a loan of 200 crore rupees, while it has also promised to do something towards commercial complexes, parks, parking, and community buildings. The question here is also about Shimla's legacy. Many traditions have flourished in Shimla. The question of Shimla's sunshine and shade remains alive in the heritage of the British Empire, while the number of steps climbing the Ridge from Mall Road is constantly increasing. There's a Shimla that emerges from the pages of history, and another that reflects the post-independence era. To understand Shimla, the Municipal Corporation will look to the upcoming elections to ensure civic amenities, and as the seat of government, Shimla will also be given political kohl. A significant story is that of the Smart City, whose intestines have been exposed. By adorning it with ever-increasing concrete and iron ornaments, we have altered its development trajectory. When the Shimla Development Authority was formed, it was believed that plans would extend into the next century, but in building New Shimla, we have proven the lengths to which legacy can be eroded. Shimla remains a shop selling milk, yogurt, and bread, with a food chain of imported goods reaching neighboring states. What has the Municipal Corporation, while harboring the state capital's status, done to make this city a destination for all of Himachal? Even as a capital, the city corporation should have some responsibilities. Drinking water bottles will continue to be sold, but why does addressing the city's water supply paint Shimla as backward? When Shimla is overflowing with tourists this summer, who will remove the snakes of ugliness from the city's sleeves? Almost every city in Himachal is becoming a destination for development, with multiple dimensions. The Shimla Municipal Corporation is limping along like a crawling machine, otherwise, it would have been able to survive under the State Capital Region (SCR) by now. This is a city of clerks, officials, bureaucrats, and politicians, so the tussle over development has been fueled by self-interested lobbying. Had the Municipal Corporation and the government fostered a State Capital Region understanding and shared responsibilities, Shimla would have eased its pressures, starting with Solan. Many projects in Waknaghat were cut short, or now Shimla is being viewed through the lens of Jathia Devi Township, but this is not a solution. Shimla needs a development environment that preserves the capital's mountainous glory. To achieve this, the burden on existing Shimla must be reduced by establishing a nearby employee township, establishing several satellite towns, and developing an elevated transport system. Cluster planning should be implemented across all Himachal Pradesh cities. By establishing a common development pool between two or three cities, i.e., at an intermediate location, such as a staff town, bus terminal, court complex, vegetable and grain market, and transport town, the burden of increasing traffic and human activity can be reduced. To this end, at least half a dozen region-specific urban development authorities can be established across the state, developing a model,

Reasons for the Rise of Maoism Should Be Addressed

The central government has set a target of eliminating Maoism by March 31st, which is not far off. Undoubtedly, the Maoists have weakened significantly. Now, only seven districts remain affected by Maoism. Even if some Maoists remain after March 31st, the government still has the upper hand. The Maoist organization is steadily weakening in Dandakaranya. It is essential to fill the void through development, health, and education. A rehabilitation policy for surrendered Maoists should be favorable. The Communist Party of India (Maoist) is now on the verge of collapse. This organization has been steadily weakening in Dandakaranya since 2012, but recently suffered a major setback. By changing their tactics, the Maoists attempted to defend themselves since August 2024, but they were unsuccessful. As security forces began expanding security camps in their areas, they were forced to abandon their shelters and roaming areas. Following the killing of Maoist Party General Secretary Basavaraju in May 2025, and the surrender of Politburo member Venugopal alias Sonu and Central Committee member Rupesh along with approximately 260 comrades in October 2025, the organization virtually disintegrated. These included Maoists from Bastar, East Bastar, Gadchiroli, North and Abujhmad. In support, Gariaband-Dhamtari also Maoists from of the Maharashtra-Madhya surrendered, and in December, Kabir also surrendered along Ramder, in-charge military battalion commander, Pradesh-Chhattisgarh Special Zone, and Secretary yesterday, Devji and Sangram with their comrades. Hidma Madvi, a longtime of poor condition of the Maoists, was killed in an encounter in Andhra Pradesh. Just movement. Therefore, it is the Central Committee also surrendered. Given the development where the there seems to be no hope of reviving the armed where the movement is imperative that the government fill the void with posing a barrier to development. Under the central and state surrender and rehabilitation policies, state governments are taking steps to rehabilitate surrendered Maoists by providing them with necessary benefits. While this is essential to maintain trust in government policies, it is also essential to address the socio-economic inequalities that have helped the Maoists win over villagers. The most important of these is the availability of health services in remote areas. Many tribals in the Bastar region suffer from iron deficiency and lack timely access to medicines. They also lack access to clean drinking water. Therefore, it is essential to distribute medicines to villagers through mobile ambulances. Since many security camps have been established in the interior areas, health services should initially be conducted from these camps. The Maoists dug numerous ponds and wells in the affected areas and helped the tribals level the land to make it suitable for farming. This benefited them significantly, as the primary objective of their so-called "Jantana Sarkar" was not to benefit the villagers but to prepare them for war. This was the objective of all Maoist groups, whether it was the Dandakaranya Adivasi Kisan Mazdoor Sangh, the Revolutionary Adivasi Mahila Sangthan, or the Chetna Natya Manch. Now, it is the government's duty to provide good seeds to the villagers and improve irrigation facilities so that they can obtain adequate harvests. Many tribals depend on forest produce. The government has increased the minimum price for tendu leaves and several forest produce, but it is also essential to provide markets for produce like tamarind, chironji, and mahua. The third important task is related to education. The Maoists opened Revolutionary Jantana Sarkar Schools in many places, imparting leftist education to rural children, turning them against the government and sowing seeds of hatred towards the government machinery. Therefore, it is imperative that the government open more ashrams and schools in the interior areas and change the mindsets ingrained in students so that they can pursue regular education and find employment opportunities. Any development that occurs in the Bastar region should be centered on the villagers. Since tribals depend on and protect forests, it is also important to ensure that development does not harm the environment. Many rural women joined Maoist organizations because they wanted to avoid forced marriage. In some rural areas, under the "Putul" tradition, a girl's marriage is usually arranged in childhood with her maternal uncle's son. If a girl refuses to marry when she reaches adulthood, she is forced to do so. Therefore, there is a need to raise awareness through elders about voluntary marriage. Most male Maoists have been sterilized. While it is possible to reverse this through medical procedures and is being done, test-tube babies should also be encouraged. This should be part of the rehabilitation policy. Many surrendered Maoists were cooks or knew how to work with machines. It would be better to integrate them into professions in which they have experience. Overall, the surrender and rehabilitation policy should be customized, if necessary, to better facilitate the rehabilitation of surrendered Maoists. Many prominent surrendered Maoists are uncertain about their future. Considering their behavior over time, their rehabilitation will also need to be addressed. The central government has set a target of eliminating Maoism by March 31. A new front has been set, which is not far off. Undoubtedly, the Maoists have weakened considerably. Now, only seven districts remain affected by Maoism. Even if some Maoists remain after March 31st, the government still has the upper hand. Sporadic fighting may continue in some areas until March 31st, but it is important to ensure that development work is not delayed.

Parliament's functioning becomes increasingly difficult

The Lok Sabha Speaker suspended Congress MPs after they repeatedly went into the Well and threw papers at the Speaker, disobeying any orders or regulations. There are rules and conventions governing the House. The Speaker must take action against those who violate them. A no-confidence motion was filed against the Speaker. A demand for a substantive motion against Rahul Gandhi. Political gridlock and a breach of dignity in Parliament. Indian politics has reached a state unimaginable. This is a very serious situation in Indian parliamentary history. While a no-confidence motion was filed against the Speaker of the Lok Sabha, a concurrent motion against the Leader of the Opposition, Rahul Gandhi, was also filed. BJP MP Nishikant Dubey has written to the Speaker of the Lok Sabha, demanding a substantive motion against Rahul Gandhi. The BJP had previously discussed bringing a breach of privilege motion against Rahul Gandhi, but has now taken the initiative to bring a substantive motion. A substantive motion is more serious than a breach of privilege motion. A substantive motion is an independent motion that seeks a clear decision against an MP. This motion is debated and voted upon, and upon its passage, the House's official stance and opinion is expressed. This means whether the MP's conduct and character are appropriate for Parliament, whether they should remain an MP, whether they should be allowed to contest elections in the future, etc. Based on this, action can be taken against them, including the loss of their membership. A recommendation can also be made to the Election Commission to ban them from contesting elections. In any case, Lok Sabha Speaker Om Birla has stopped attending the House since receiving the notice of the no-confidence motion. The Speaker cannot preside over the proceedings of the House until the debate and outcome of the no-confidence motion, so he has taken this decision. The same does not apply to any MP or the Leader of the Opposition. Even after a breach of privilege motion or a substantive motion is accepted, the concerned member can participate and be given time to present their case. The no-confidence motion against the Lok Sabha Speaker is expected to be debated on March 9th. It will be known only then whether the substantive motion against Rahul Gandhi will be accepted. Since the BJP-led NDA has a majority in the Lok Sabha, the no-confidence motion against Om Birla will be defeated. This does not apply to substantive motions. Based on the majority, the NDA can pass a motion for action against Rahul Gandhi. However, his supporters in the Congress do not seem to be bothered by this. On the contrary, they are happy to say that Rahul Gandhi is setting the agenda in Parliament, and now, under the pretext of a substantive motion, the debate will revolve around him. This easily gives an idea of ??the direction Rahul Gandhi and his surrounding strategists are heading. If this is what they consider setting the national agenda in the true sense, then God alone can protect such a Congress. Rahul Gandhi is failing to fulfill his national responsibilities. It seems that Congress leaders want action against Rahul Gandhi to generate public sympathy for him and try to capitalize on it politically. But what about the way Congress members have been campaigning against Lok Sabha Speaker Om Birla? Questions were raised even about his daughter's passing the Civil Services exam? The letter written to him by Congress women MPs is even more shameful. Congress MPs are trying to create such a difficult situation for the Speaker of the Lok Sabha that he struggles to make decisions. Om Birla is not an individual, but holds the dignified position of Speaker of the Lok Sabha. There may be personal differences with him, and even dislikes, but it is shameful if leaders and Parliament fail to fulfill the primary responsibility of respecting and trusting the position. If Rahul Gandhi's supporters believe that setting the agenda for discussion and debate in Parliament is a major political achievement, then a few days ago they created a similar situation with the SIR and the Election Commission. He put the SIR and the Election Commission in the dock with full preparation, organized a Voter Rights Yatra in Bihar, but suffered a setback in the Bihar election results. The Adani issue was paramount for him in the Maharashtra elections, but he suffered a crushing defeat there as well. The Lok Sabha Speaker suspended Congress MPs after they repeatedly went into the Well and threw papers at the Speaker, disobeying any orders or regulations.

तीन बहनों में इकलौता भाई था अंशू: शिवरात्रि के दिन हुआ था गायब, 12 दिन बाद मिली लाश; दादा ने कपड़ों से पहचाना

अंशू तीन बहनों में इकलौता भाई था और सबसे बड़ा था। अंशू गांव के प्राथमिक विद्यालय में आंगनबाड़ी केंद्र पर पढ़ रहा था। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन अंशू उस समय गायब हो गया, जब परिवार की महिलाएं जल चढ़ाने के लिए चली गईं। घर पर अंशू को खेलता हुआ छोड़ गईं। परिवार के बाबा और पिता घर पर थे।यूपी के संभल स्थित धनारी पट्टी बालू शंकर में एक किलोमीटर दूर ग्राम प्रधान के खेत में मिलने से दादाजी ने कपड़ों से पहचान की। गले में काला अंगोछा कर शव खाद के प्लास्टिक के कट्टे में बंद कर फेंका गया पाकर मौके पर पहुंची थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने अधीक्षक कुलदीप सिंह ने भी मौके पर पहुंच कर जानकारी धनारी पट्टी बालू शंकर निवासी रोहित का सात वर्षीय पुत्र लापता हो गया था। परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज करा दी थी। राजेंद्र सिंह के गेहूं के खेत पर काम कर रहे प्रेम सिंह पीले रंग का बोरा रखा हुआ दिखाई दिया। उसने करीब शव का चेहरा- ग्राम प्रधान की सूचना पर थानाध्यक्ष संजय सूचना दी। शव बुरी तरह गल चुका था। जिससे पहचान को बुला कर पोते अंशु के रूप में शिनाख्त कराई। शव का गले में काला अंगोछा लिपटा हुआ था। जिससे प्रतीत हो गया है। अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह और सीओ भेजा है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से उठाए नमूने- नमूने लेकर जांच को भेजे हैं। साथ ही घटनास्थल की

वाली बोरी को सूंघा कर जांच कराई गई। डॉग स्क्वायड घटनास्थल से कुछ दूरी पर जाकर रुक गया। बच्चे की हत्या कैसे हुई यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। 15 फरवरी को गायब हुआ था बालक- रोहित का बेटा मृतक अंशू 15 फरवरी को 11 बजे घर से गायब हो गया था। मृतक के परिजनों ने काफी तलाश किया लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। रोहित ने पुलिस तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज करा दी थी। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद पुलिस भी बच्चे की तलाश में जुट गई। सीसीटीवी फुटेज खंगाली और लोगो से जानकारी जुटाई गई। ड्रोन कैमरे से खेतों में छानबीन भी की गई, लेकिन पुलिस बच्चे नहीं खोज पाई। बुझ गया घर का चिराग, तीन बहनों में इकलौता भाई था अंशू- धनारी पट्टी बालू शंकर निवासी रोहित के पुत्र अंशू तीन बहनों में इकलौता भाई था और सबसे बड़ा था। अंशू गांव के प्राथमिक विद्यालय में आंगनबाड़ी केंद्र पर पढ़ रहा था। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन अंशू उस समय गायब हो गया, जब परिवार की महिलाएं जल चढ़ाने के लिए चली गईं। घर पर अंशू को खेलता हुआ छोड़ गईं। परिवार के बाबा और पिता घर पर थे। 11 बजे बच्चे को खेलता देखा लेकिन इसके बाद बच्चा दिखाई नहीं दिया तो तलाश शुरू कर दी। सादातबाड़ी के मेला में बच्चे की खोज में निकल गए। आसपास के खेतों पर भी तलाश किया। बच्चे का सुराग न लगने पर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने बच्चे की गुमशुदगी दर्ज कर ली। मृतक बालक के बाबा ने तीन लोगों पर जताया हत्या का शक- मृतक बच्चे के बाबा चंद्रपाल ने पुलिस को तीन लोगों पर हत्या का शक जाहिर किया। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई। हालांकि आरोपी फरार चल रहे हैं। पुलिस सीसीटीवी के डीवीआर बॉक्स एकत्र कर रहे हैं। पुलिस का बयान- 15 फरवरी से गायब बच्चे का गांव से एक किलोमीटर की दूरी पर शव मिला है, शव उसी बच्चे का है। इसका मुकदमा पहले ही पंजीकृत किया जा चुका है। जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाली जाएगी। शव का पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हत्या का कारण स्पष्ट हो सकेगा। घटना के खुलासे को फील्ड यूनिट टीम लगा दी गई है। जल्दी ही इस घटना का खुलासा किया जाएगा। -कुलदीप सिंह, एएसपी, संभल।

प्रधान के पति ने ही किया था मां का कत्ल, इसलिए खेला खूनी खेल; कातिल बेटे का मकसद जान पुलिस भी हैरान

यूपी के संभल जिले में ग्राम प्रधान की सास की हत्या के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। विरोधियों को फंसाने के लिए प्रधान के पति ने ही मां की हत्या की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में प्रयुक्त तमंचा बरामद कर लिया बबराला थाना इलाके के ग्राम पहलवाड़ा में दो महीने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस की जांच में यह सामने पति पवन कुमार ने ही अपनी मां प्रेमवती की गोली फंसाना था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए क्षेत्र के ग्राम पहलवाड़ा में 30 जनवरी की रात प्रधान प्रतिद्वंद्विता के चलते दोनों गुट आमने-सामने आ गए की सास प्रेमवती की गोली लगने से मौत हो गई थी, पुलिस ने की पूछताछ इस मामले में ग्राम प्रधान के कुमार, मुनीश, वीरेश, रामबाबू, वीरपाल, बलराम, लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की तो था जेल- थानाध्यक्ष सौरभ त्यागी ने सबूत जुटाने के पुलिस ने चार फरवरी को नामजद आरोपी सुभाष को

करवाई ट्रांसफर - जांच के दौरान खुद को घिरता देख पवन ने दबाव बनाने की कोशिश की। जब बात नहीं बनी तो वरिष्ठ अधिकारियों के यहां प्रार्थना पत्र देकर विवेचना थाना सिविल लाइन, मुरादाबाद ट्रांसफर करा दी। इसके बाद थाना सिविल लाइन मुरादाबाद के निरीक्षक अपराध राजेंद्र कुमार ने गांव पहुंचकर दोनों पक्षों के ग्रामीणों से गहन पूछताछ की। जांच में मिले पुख्ता सबूत- विवेचना में सबूत मिले कि पवन ने ही अपनी मां प्रेमवती को गोली मारी थी और राजनीतिक रंजिश के चलते विपक्षी सुभाष समेत अन्य लोगों को फंसाने के लिए झूठा मुकदमा दर्ज कराया था। मंगलवार को पुलिस ने प्रधान के पति पवन को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने न सिर्फ अपनी मां को गोली मारना स्वीकार कर लिया बल्कि हत्या में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद करा दिया। गोली हाथ पर मारना चाहता था लेकिन सीने पर लगने से चली गई थी जान- ग्राम प्रधान के पति ने विरोधियों को फंसाने के लिए अपनी मां के हाथ पर गोली मारी थी, लेकिन निशाना चूकने से गोली उसके सीने में लगी और उसकी मौत हो गई थी। पुलिस की पूछताछ में पवन ने बताया कि उसने जब फायरिंग की तो दूसरे पक्ष का देवेश दहशत में नीचे गिर पड़ा। यह देख कि अब वह फंस जाएगा, उसने अपनी मां के हाथ में गोली मारकर दूसरे पक्ष के खिलाफ केस बनाने की कोशिश में तमंचे से फायर कर दिया। गोली उसकी मां के सीने में लगी, जिससे उसकी मौत हो गई थी। ,थाने के सामने शव रखकर लगाया था जाम = दूसरे पक्ष को फंसाने और खुद को बचाने के लिए मां की मौत के बाद पवन ने पुलिस पर दबाव बनाने के लिए अंतिम संस्कार से पहले अर्थी को बबराला थाने के सामने रखकर जाम लगा दिया था। शुरुआती जांच में ही आरोपी का नाम आया- इसके बाद पवन की तहरीर के अनुसार ही दूसरे पक्ष के मुख्य प्रतिद्वंदी सुभाष व अन्य लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली थी। शुरुआती जांच में ही पवन का नाम सामने आ गया था। जिस पर उसने विवेचना जिले से बाहर की पुलिस से कराने के लिए आला अफसरों के यहां प्रार्थनापत्र दिए थे। प्रधान की सास की हत्या के मामले में हत्या मृतका के बेटे ने ही की थी। बबराला व मुरादाबाद सिविल लाइंस थानों से हुई विवेचना में सच सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूला और वो तमंचा भी बरामद कराया जिससे उसने अपनी मां की हत्या की थी। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। - कृष्ण कुमार विश्नोई, एसपी संभल

गया है। पहलवाड़ा में दो माह पहले वारदात हुई थी।संभल के पहले हुई ग्राम प्रधान की सास की हत्या के मामले में चौंकाने आया है कि किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि ग्राम प्रधान के मारकर हत्या की थी। उसका मकसद राजनीतिक विरोधियों को हत्या में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद कर लिया है।बबराला थाना पक्ष व गांव के ही दूसरे पक्ष के बीच विवाद हो गया। राजनीतिक थे। जिनमें फायरिंग और पथराव के दौरान ग्राम प्रधान मीरा देवी जबकि दूसरे पक्ष का देवेश घायल हुआ था। शक के बाद पति पवन कुमार की तहरीर पर पुलिस ने सुभाष, नितीश लाखी, ग्रीश, राजवी , सत्यपाल, नीरज के अलावा दस अज्ञात शक की सुई वादी पक्ष की ओर गई। नामजद आरोपी को भेजा लिए पवन का नाम भी जांच में शामिल कर लिया। दबाव में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जो अब भी निरुद्ध है। जांच

बिट्टू ने चलाई थी गोली, बैकअप दे रहे थे इमरान और शानिब; दामाद के भतीजे ने ही सुपारी दे कराई नन्ही की हत्या

मुरादाबाद पुलिस ने चौकीदार नन्ही हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। चौकीदार नन्ही की हत्या दामाद के भतीजे ने ही सुपारी देकर कराई थी। पुलिस ने आरोपी इरफान और तीन शूटरों को गिरफ्तार कर लिया है। मुरादाबाद के मझोला थाने के पास महिला के भतीजे इरफान ने सुपारी देकर कराई थी। पुलिस ने को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। नन्ही उसके परिवार के मामलों में कुछ ज्यादा ही दखल कराकर जेल भिजवाने की धमकी देती थी। एसपी सिटी शाम मझोला थाने के पास एक प्लॉट में कुंदरकी के हत्या कर दी गई थी। महिला करीब 15 साल से इस ने भगतपुर के उदावाला रोशनपुर निवासी मो. शानिब पूछताछ के बाद पुलिस कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए आगे इमरान को दबोच लिया। तीनों से पूछताछ की तो पता उर्फ शिवा ने इरफान से ली थी।पुलिस ने इरफान को भी दबोच लिया। पुलिस ने बुधवार को कुंदरकी के ऊंचाकानी में पता चला कि नन्ही ने अपनी बेटी की शादी गांव में रियासत और भतीजे इरफान से जमीन को लेकर विवाद

चौकीदार नन्ही की हत्या उसके ही दामाद लियाकत बुधवार को आरोपी इरफान को और तीन शूटरों पुलिस का दावा है कि इरफान ने कबूला है कि देती थी। विरोध करने पर झूठी प्राथमिकी दर्ज कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि सोमवार की ऊंचाकानी निवासी महिला नन्ही की गोली मारकर प्लॉट में चौकीदारी करती थी।नन्ही के बेटे महबूब सैफी को मौके पर ही दबोच लिया था। उससे बढ़ी और भोजपुर के मोहल्ला नावपुर निवासी शानिव, चला कि हत्या की सुपारी भोजपुर निवासी बिट्टू किया गिरफ्तार- बुधवार को पुलिस ने इरफान को निवासी इरफान को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ लियाकत के साथ की थी।लियाकत का अपने भाई चल रहा था। इरफान ने बताया कि नन्ही अपनी बेटी और दामाद की वजह से उनके घर में हर मामले में दखल देती थी। इरफान को यह बात पसंद नहीं थी।इस लिए उसने सुपारी देकर हत्या कराई थी। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि तीनों को बुधवार की शाम कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया है।

संक्षिप्त समाचार

संभल के संवेदनशील इलाकों में पुलिस का फ्लैग मार्च, त्योहारों को लेकर एसपी ने किया निरीक्षण, 500 लोग पाबंद

संभल में त्योहारों को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन हाई अलर्ट पर है। शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस, आरआरएफ और पीएसी के जवानों ने पैदल मार्च कर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया।रंग एकादशी, होली और रमजान के त्योहारों के मद्देनजर संभल में

पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने और शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से आरआरएफ, पुलिस और पीएसी के जवानों ने शहर में पैदल मार्च निकाला। इस दौरान सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया गया। सराय पुलिस चौकी से गश्त शुरू -बुधवार की शाम को पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने चौधरी सराय पुलिस चौकी से पैदल मार्च की शुरुआत की। यह मार्च शहर के विभिन्न संवेदनशील और मुख्य मार्गों से गुजरा। इसमें मनोकामना रोड, जामा मस्जिद, डाकखाना, मुख्य बाजार, कोतवाली, सराफा बाजार, नखासा चौराहा, खग्गू सराय और बल्ले की पुलिया शामिल थे। भोलेश्वर पुलिस चौकी क्षेत्र में अभियान चलाया गया। इस दौरान एसपी ने रंग एकादशी जुलूस के संभावित रूट का निरीक्षण किया और वहां मौजूद सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया।सुरक्षा व्यवस्था कड़ी -एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के कानून व्यवस्था को बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान उन्होंने लोगों से सीधा संवाद किया और उन्हें आश्वस्त किया कि प्रशासन उनकी सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। ,पाबंद किए गए असामाजिक तत्व- पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिलेभर में एहतियाती तौर पर 500 से अधिक ऐसे लोगों को पाबंद किया गया है। उनसे अशांति फैलाने का अंदेशा है। उन्होंने कहा कि जिले में लगातार गश्त की जा रही है। यह अधिकारी रहे मौजूद -अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप कुमार सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, कोतवाल गजेंद्र सिंह, कोतवाल नखासा संदीप बालियान सहित अन्य प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

रामपुर में दो प्लाईवुड फैक्ट्रियों का सर्वे शुरू, दिल्ली से सीआरपीएफ जवानों के साथ पहुंची एजेंसी की टीम

रामपुर की दो बड़ी प्लाईवुड फैक्ट्रियों पर दिल्ली से आई एक एजेंसी की टीम ने जांच शुरू कर दी है। सीआरपीएफ के जवानों की मौजूदगी में पहुंची टीम ने फैक्ट्रियों के गेट बंद करवा दिए। अचानक हुई इस कार्रवाई से

स्थानीय व्यापारियों में हलचल है। जांच एजेंसी के सर्वे का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं किया है।यह दोनों प्लाईवुड फैक्ट्रियां रामपुर के जाने-माने कारोबारियों की बताई जा रही हैं। इसमें एक कारोबारी मुरादाबाद से सपा के पूर्व सांसद के समधी हैं। जांच एजेंसी के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में सीआरपीएफ के जवान तैनात है। फैक्ट्रियों के अंदर और बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को अंदर जाने की अनुमति नहीं है। उनके गेटों को भी बंद करवा दिया गया है। स्थायीन व्यापारियों के बीच इस सर्वे को लेकर हलचल मची हुई है। फैक्ट्रियों के मालिक और उनसे जुड़े लोगों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

अग्निवीर सेना भर्ती में 12 जनपदों के हजारों अभ्यर्थी लगाएंगे दौड़

जाट रेजीमेंट केंद्र ,बरेली परिसर में 11 मार्च से 23 मार्च तक होगी भर्ती आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । भारतीय सेना की अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर सेना भर्ती को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी है। जाट रेजीमेंन्ट केन्द्र, बरेली परिसर में 11 मार्च से 23 मार्च तक भर्ती आयोजित होगी। तैयारियों के सम्बन्ध में जाट रेजीमेंन्ट केन्द्र परिसर के सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे, सेना भर्ती कार्यालय के निदेशक, पुलिस क्षेत्राधिकारी आशुतोष शिवम सहित जिला प्रशासन व सेना के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने आयोजन स्थल पर चल रही तैयारियों का भी निरीक्षण किया। अपर जिलाधिकारी नगर ने संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर कार्य करने और प्रत्येक व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के

निर्देश दिए। सेना भर्ती रैली के दौरान उत्तर प्रदेश के 12 जनपदों बरेली समेत बहराईच , बलरामपुर, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी, शाहजहाँपुर , सीतापुर, संभल, पीलीभीत, हरदोई, फर्रुखाबाद और बदांयू के हजारों अभ्यार्थियों के शामिल होने की संभावना है। अपर जिलाधिकारी नगर ने कहा कि अभ्यार्थियों की सुविधा के ध्यान में रखते हुए पेयजल, अस्थाई शौचालय, विश्राम स्थल, चिकित्सा शिविर, एंबुलेंस, प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था की जाएगी। भीड़ नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। साथ ही संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। परिवहन विभाग को यातायात सुचारु रखने और जाम की स्थिति से निपटने के लिए समुचित व्यवस्थाएं बनाए रखने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल टीम को तैयार रहने के निर्देश दिए। साथ-साथ नगर विकास से संबंधित अधिकारी को स्वच्छता और प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सेना के अधिकारी ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शिता, निष्पक्षता और शांतिपूर्ण माहौल से संपन्न कराई जाएगी। अभ्यार्थियों से समय पर पहुंचने, आवश्यक दस्तावेज साथ लाने और अफवाहों एवं दलालों से दूर रहने की अपील की गई हैं।

सेना भर्ती के निदेशक ने अभ्यर्थियों से अनुरोध किया है कि सभी अभ्यर्थी अपने एडमिट कार्ड डाउनलोड कर अपने साथ रखें एवं सभी जरुरी कागजात अवश्य साथ में लेकर आए। किसी भी अभ्यर्थी को किसी कारणवश उन्हे पंजिकृत ई-मेल आईडी से रैली एडमिट कार्ड डाउनलोड नही हो रहा हैं तो वे सेना भर्ती कार्यालय, बरेली में प्रातः 09 बजे से दोपहर 02 बजे के बीच सम्पर्क कर सकते हैं। संबंधित जिलों के लिए अग्निवीर सेना भर्ती रैली का कार्यक्रम घोषित किया है , जिसने दिनांक 11 मार्च 2026 को अग्निवीर (टेक्निकल) (सभी 12 जिले के अभ्यर्थियों के लिए) । दिनांक 12 मार्च 2026 को अग्निवीर (ट्रेड्समेन आठवी एवं दसवी) (सभी 12 जिले के अभ्यर्थियों के लिए तथा अग्निवीर (क्लर्क / एसकेटी) (सभी 12 जिले के अभ्यर्थियों के लिए) । दिनांक 13 मार्च 2026 को अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) बहराईच, बलरामपुर, श्रावस्ती और लखीमपुर खीरी जिले के अभ्यर्थियों के लिए, दिनांक 14 मार्च 2026 को अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) शाहजहाँपुर और सीतापुर जिले के अभ्यर्थियों के लिए, दिनांक 15 मार्च 2026 को अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) संभल और पीलीभीत जिले के अभ्यर्थियों के लिए, दिनांक 16 मार्च 2026 को अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) हरदोई जिले के अभ्यर्थियों के लिए, दिनांक 17 मार्च 2026 को अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) फर्रुखाबाद जिले के अभ्यर्थियों के लिए, दिनांक 18 मार्च 2026 को अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) बदांयू जिले के अभ्यर्थियों के लिए तथा दिनांक 19 मार्च 2026 को अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) बरेली जिले के अभ्यर्थियों के लिए अग्निवीर सेना भर्ती रैली आयोजित की जाएगी।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

होली पर्व व माफियाओं एवं महिला सुरक्षा सशक्तिकरण हेतु हुई बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पुलिस उपमहा निरीक्षक अजय कुमार साहनी परिक्षेत्रीय कार्यालय, में मंडल के प्रभारियों वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह आर्य बरेली, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ , पुलिस

अधीक्षक पीलीभीत, एवं पुलिस अधीक्षक शाहजहाँपुर के साथ समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई । बैठक में मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक के अनुरूप चिन्हित अपराधों, माफियाओं के विरुद्ध कार्यवाही, निरोधात्मक कार्यवाही, एसआर केस एवं लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण की प्रगति की समीक्षा की गई। हत्या, लूट, डकैती, बलात्कार, दहेज हत्या, पॉक्सो एक्ट, अपहरण, गोकशी, धर्मांतरण एवं साम्प्रदायिक संघर्ष से संबंधित अभियोगों में की गई कार्यवाही का मूल्यांकन किया गया। साथ ही ऑपरेशन कन्विक्शन, ऑपरेशन क्लीन, ऑपरेशन त्रिनेत्र तथा मिशन शक्ति फेज-5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु चलाए जा रहे अभियानों की समीक्षा भी की गई। साइबर हेल्प डेस्क, आईजीआरएस, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, यक्ष एप के प्रभावी संचालन एवं आगामी उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा तथा होली पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था एवं यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया ।

आत्मदाह मामले में जनसुनवाई अधिकारी दरोगा सस्पेंड

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बारादारी थाने के गेट पर डिलीवरी ब्वॉय द्वारा आत्मदाह करने की कोशिश के मामले में लापरवाही बरतने पर जनसुनवाई अधिकारी एसआई को एसएसपी ने बुधवार की रात सस्पेंड करके विभागीय जांच शुरू कर दी है। फतेहगंज पश्चिमी निवासी अक्षय कुमार ने मंगलवार की रात थाना बारादरी के गेट पर अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली थी। एसएसपी ने अनुराग आर्य ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारिख को जांच करके रिपोर्ट देने को कहा था। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पाया गया कि अक्षय कुमार 24 फरवरी को तीन बार बारादरी थाने गया था। इस दौरान थाना बारादरी की जन शिकायत हेल्प डेस्क पर तैनात उप निरीक्षक सुरेंद्र कुमार शर्मा मौजूद थे। उनका दायित्व था कि थाने पर आने वाले प्रत्येक शिकायतकर्ता की शिकायत सुनते हुए उनका प्रार्थना पत्र प्राप्त करके जनसुनवाई रजिस्टर में दर्ज करके उच्च अधिकारियों को सूचना दें, लेकिन जनसुनवाई अधिकारी सुरेंद्र कुमार शर्मा ने ऐसा न करके प्रकरण में संवेदनहीनता दिखाकर अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता बरती गई। जांच रिपोर्ट में जनसुनवाई अधिकारी की लापरवाही मिलने पर एसएसपी ने बुधवार की रात उप निरीक्षक सुरेंद्र कुमार शर्मा को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड करके विभागीय जांच अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी को दी है। बारादरी पुलिस ने दर्ज किए दो मुकदमे जांच शुरू बारादरी थाने के गेट पर मंगलवार की रात खुद को आग के हवाले करने वाले युवक के मामले में बारादरी पुलिस ने दो मुकदमे दर्ज किए हैं। एक मुकदमा माधोबाड़ी निवासी आकाश ने दर्ज कराया है। आकाश ने बताया की 23 फरवरी को उसके चाचा चंद्रसेन अपनी बाइक से जा रहे थे। उनकी बाइक में सामने से आ रही दूसरी बाइक ने टक्कर मार दी, जिसमें उन्हें चोट आई है। उन्हें उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। वहीं दूसरा मुकदमा थाने के गेट पर आग लगाने वाले अक्षय की तहरीर पर लिखा गया है। अक्षय ने बताया कि 23 फरवरी को वह गंगापुर में ऑर्डर देने गया था।

बारादरी थाने में शिकायत दर्ज न होने से आक्रोश, केंद्रीय वाल्मीकि महासभा ने पुलिस पर लगाए लापरवाही के आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। केंद्रीय वाल्मीकि महासभा भारत के प्रदेश महामंत्री अजय चौहान ने थाना बारादरी के प्रभारी धनंजय पांडेय से मुलाकात कर संगठन द्वारा पूर्व में दी गई शिकायत पर एफआईआर दर्ज न होने को लेकर वार्ता की। अजय चौहान ने सवाल उठाया कि तीन दिन पूर्व दी गई शिकायत पर अब तक एफआईआर क्यों दर्ज नहीं की गई। इस पर थाना प्रभारी ने शिकायत को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि ये भंगी शब्द मेरी नज़र में अपराध की श्रेणी में नहीं आता, क्या होता आप मुझसे किसी भी मदद की उम्मीद न करें। प्रदेश महामंत्री द्वारा आगे बातचीत का प्रयास

किए जाने पर यह भी सामने आया कि उक्त शिकायत के ऑडियो को सुनकर भीम आर्मी के कार्यकर्ता भी थाने पहुंचे थे, जिसके बाद शिकायत को स्वीकार नहीं किया गया। आरोप है कि केंद्रीय वाल्मीकि महासभा भारत की ओर से पहले दी गई शिकायत को भी नजरअंदाज कर दिया गया और कहा गया कि आप मेरे उच्चाधिकारियों से मिलकर उन्हें बता दीजिए कि मैंने ऐसा कहा है। इस क्रम में अजय चौहान ने संबंधित पंकज श्रीवास्तव (सीओ तृतीय) से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। वहीं मानुष पारीक (एसपी सिटी) को भी फोन किया गया, पर आरोप है कि कॉल काट दी गई। आज दिनांक 26/02/26 को माननीय एस पी सिटी से मुलाकात कर दोषी थाना प्रभारी और बाकी अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए प्रार्थना पत्र प्रेषित किया संगठन का कहना है कि इन घटनाक्रमों से पुलिस प्रशासन की हीलाहवाली स्पष्ट रूप से सामने आती है। आरोप लगाया गया कि पुलिस जोगी नवादा क्षेत्र व थाना बारादरी स्तर पर स्पा सेंटर संचालिका मुस्कान त्रिवेदी को बचाने में लगी हुई है। केंद्रीय वाल्मीकि महासभा भारत ने चेतावनी दी है कि यदि शिकायत पर निष्पक्ष कार्रवाई कर एफआईआर दर्ज नहीं की गई तो संगठन आगे आंदोलनात्मक कदम उठाने को मजबूर होगा।

2.41 करोड़ के जीएसटी घोटाले का खुलासा ,कागजों में दौड़ रही थी फर्म , रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / भोजीपुरा, बरेली। फर्जी दस्तावेजों के सहारे पांच बोगस फर्म बनाकर कागजों पर फर्म चलाते हुए 2.41 करोड़ रुपये का जीएसटी घोटाला किया गया। जालसाजों ने बिना किसी व्यापार के कागजों पर बिल काटकर 2.41 करोड़ रुपये टैक्स की चोरी की। जीएसटी विभाग की जांच में इसका खुलासा होने के बाद राज्य कर विभाग के सहायक आयुक्त गौरव सिंह ने पांच फर्मों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। सहायक आयुक्त गौरव सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि भोजीपुरा के अटा कायस्थान के पते पर %%विजन ट्रेडर्स%% के नाम से 18 सितंबर 2020 को जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराया गया था। इसका प्रोपराइटर मुश्फिक अली है। विभाग ने जब फर्म की तरफ से दाखिल किए गए रिटर्न की जांच की तो उसमें भारी गड़बड़ी देखने को मिली। इसके बाद टीम ने दिए पते पर जाकर उसका सत्यापन किया तो मौके पर कोई भी व्यावसायिक गतिविधि नहीं मिली और फर्म पूरी तरह से फर्जी पाई गई। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि विजन ट्रेडर्स ने बिना किसी माल की वास्तविक सप्लाई किए फर्जी चालान जारी किया। फर्जी आईटीसी प्राप्त करते हुए 1,20,74,663 रुपये की फर्जी आईटीसी आगे पास की, 1,20,58,047 रुपये इस प्रकार कुल 2.41 करोड़ से अधिक का फर्जीवाड़ा किया गया। कई फर्मों का रजिस्ट्रेशन विभाग कर चुका है रद्द सहायक आयुक्त गौरव सिंह ने बताया कि इनमें से कई फर्मों का रजिस्ट्रेशन विभाग ने खुद रद्द कर चुका है। भोजीपुरा थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि सहायक आयुक्त गौरव सिंह की शिकायत के आधार पर धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और फर्जीवाड़ा समेत अन्य गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस इस पूरे सिंडिकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है। इस खुलासे के बाद बरेली के व्यापारी वर्ग और टैक्स चोरी करने वालों में हड़कंप मच गया है।

आजाद भारत में गुलामी प्रथा नहीं चलेगी , महिला शिक्षक संघ बरेली

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली।वृहस्पतिवार को जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा। इसमें शिक्षक पात्रता संबंधी सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले 2009 की धारा 23 में 2017 के के विरुद्ध कड़ी आपत्ति जताई गई।यह नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी अनिवार्य सिद्धांतों एवं पूर्वव्यापी प्रभाव के कोई भी कानून और नियम परिवर्तन लागू नहीं किए जाते हैं। इससे उत्तर

देशभर में बीस लाख से अधिक शिक्षकों का भविष्य दांव पर है। निरंतर मानसिक दबाव से उनकी स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ रही है तथा समाज में नकारात्मक भावना व्याप्त हो रही है।इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रवेश कुमारी यादव, महामंत्री राखी सक्सेना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, संगीता मित्तल,कोषाध्यक्ष नीतू अग्रवाल , मीडिया प्रभारी दीपाली सक्सेना, मोना सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रा देवलिया,रचना सिंह,आरती सक्सेना नेहा गुप्ता, संतोष मिश्रा,सुमन माथुर,सूचि गुप्ता, आयुष बंसल, सीमा कपूर, एकता सक्सेना,सिंधु मेहरा,गायत्री यादव,रेनू गुप्ता,ज्योति गुप्ता, लक्ष्मी,अर्चना प्रियंका आदि सैकड़ों महिला शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

मुठभेड़ के बाद दो चोर गिरफ्तार , एक के लगी गोली

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली। घर चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया। जिसमें से एक को पैर में गोली लगी। पुलिस ने इनके पास से तीन लाख से ज्यादा की नकदी और अवैध हथियार बरामद किए। दरअसल बीती 5/6 फरवरी की रात कस्बा शाही के मोहल्ला आजमनगर स्थित चांद बाबू के घर चोरों ने नकबजनी की घटना को अंजाम दिया था। अज्ञात चोर घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण और करीब 28 हजार की नकदी चोरी कर ली थी। शाही थाने की पुलिस मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश कर रही थी। बुधवार की रात पुलिस को सूचना मिली की चोरी की घटना में शामिल इमरान अपने साथी के साथ चोरी के जेवरात बेचकर मिली नकदी लेकर बाइक से दिल्ली जाने की फिराक में हैं।

वेतन न मिलने को लेकर पीडब्ल्यूडी कर्मियों का प्रदर्शन, शासनादेश के बाद खत्म

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पोर्टल पर संपत्ति की सूचना न देने वाले पीडब्ल्यूडी के कर्मचारियों का जनवरी महीने का वेतन रोक लिया गया है। अब फरवरी का वेतन भी रुकने की आशंका गहरा गई है। इसके विरोध

में पीडब्ल्यूडी के कर्मचारियों ने गुरुवार को प्रांतीय खंड कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने कहा कि हम लोग अभी एसआईआर की ड्यूटी कर रहे हैं। इसके चलते बहुत से कर्मचारी अपना विवरण नहीं दे पाए हैं। जल्द वेतन जारी करने की मांग की गई। वहीं नया शासनादेश आने के बाद प्रदर्शन खत्म कर दिया गया। शासनादेश के अनुसार अब मार्च तक कर्मचारी तक अपनी संपत्ति का ब्यौरा दे सकते है। प्रदर्शनकारियों में मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन के क्षेत्रीय अध्यक्ष जितेंद्र कुमार, क्षेत्रीय महामंत्री अभिषेक अग्रवाल, जिला अध्यक्ष जितेंद्र पाठक, जिला मंत्री विकास सक्सेना, प्रशासनिक अधिकारी रामगोपाल, रामकिशोर सहित तमाम कर्मचारी मौजूद रहे।

शहर में सीलिंग की जमीन पर बनीं कॉलोनियां और मार्केट पर होगी कार्रवाई, शासन ने दिए जांच के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। अब सीलिंग की जमीन पर कॉलोनियों और 20 दुकानों की मार्केट बनाने से जुड़े मामले को शासन ने गंभीरता से लिया है। प्रमुख सचिव संजय प्रसाद, आवास एवं शहरी नियोजन के विशेष सचिव ओम प्रकाश पांडेय और अपर निदेशक (नगर भूमि सीमारोपण) नीरज शुक्ला के निर्देश पर जांच शुरू हो गई है। आरोपी सुर्खा छावनी निवासी मोहसिन और उसके भाइयों हस्सान, मोनिश व अन्य लोगों के विरुद्ध जांच एसडीएम सदर को सौंपी गई है। तीन दिन में नजरी नक्शा सहित जांच रिपोर्ट मांगी गई है। 13 फरवरी को शासन की तरफ से आदेश मिलने के बाद बुधवार को एडीएम सिटी/सक्षम प्राधिकारी नगर भूमि सीमारोपण सौरभ दुबे की ओर से जांच के निर्देश जारी किए हैं। उधर, जांच अधिकारी ने भी अपने अधीनस्थों के माध्यम से पड़ताल शुरू कर दी है।

एडीएम सिटी ने कहा है कि अन्य शिकायतों के साथ ही नगर सीलिंग के गांव महलमऊ में स्थित गाटा 177 रकबा 0.0640 वर्ग मीटर एवं 181 पर रकबा 0.0630 वर्ग मीटर और गांव रहपुरा चौधरी स्थित गाटा 85 पर रकबा 0.8190 वर्ग मीटर भूमि के संबंध अवैध कब्जे का उल्लेख है। इसलिए पूरे प्रकरण में विधिवत जांच के निर्देश दिए गए हैं।

जांच अधिकारी/एसडीएम सदर प्रमोद कुमार ने बताया कि शासन के निर्देश पर एडीएम सिटी की ओर जांच के लिए पत्र प्राप्त हुआ है। इस मामले में जांच शुरू कर रहे हैं। जल्द ही कार्रवाई के लिए रिपोर्ट जिलाधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराएंगे।

दो सप्ताह पहले ही खरीदी थी कार, नैनीताल से आते समय आग का गोला बनी गाड़ी; जिंदा जली महिला सिपाही और मासूम

यूपी के रामपुर जिले में डंपर की टक्कर से आग का कार में आग लग गई। आग में कांस्टेबल मां और मासूम बेटा जिंदा जल गए। देर रात काशीपुर गांव के पास हादसा हुआ। मिलक क्षेत्र का परिवार नैनीताल घूमकर लौट रहा था।

हादसा हुआ। नैनीताल से घूमकर की कार बुधवार रात साढ़े दस गोला बन गई। इस हादसे में और उनके दो साल के बेटे लड्डू लता के चचेरे ससुर रवि कुमार भीषण थी कि दमकल टीम को हादसे के समय कार सीएनजी कि कार में मिलक के बेहटरा लता, दो साल के बेटे लड्डू और निवासी रवि कुमार के साथ चलवाते हैं, जबकि उनकी पत्नी पद पर तैनात थी और दस नैनीताल घूमने के बाद स्वार गांव लौट रहे थे। दान सिंह रहे थे। जिले के काशीपुर गांव सामने से आ रहे डंपर ने साइड आग लग गई।कार में लपटें

उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में दर्दनाक आ रहे मिलक इलाके के परिवार बजे डंपर से टक्कर के बाद आग का महिला सिपाही लता सिंह (25) की जान चली गई। कार में सवार बुरी तरह झुलस गए। आग इतनी भी काबू पाने में खासा वक्त लगा। से संचालित थी। पुलिस ने बताया गांव निवासी दान सिंह अपनी पत्नी अपने चाचा बरेली के जमालपुर सवार थे। दान सिंह किराये पर कारें लता सिंह श्रावस्ती में सिपाही के दिन की छुट्टी पर थी।ये सभी होते हुए मिलक इलाके में अपने खुद ही अपनी स्विफ्ट कार चला के पास से गुजरते समय कार को से टक्कर मार दी, जिससे कार में फैलती देख भीतर बैठे लोग बचाव में बाहर कूदने लगे। दान सिंह का दो साल का बेटा लड्डू और पत्नी लता कार में ही थे। उन्हें निकालने की कोशिशों से पहले ही कार पूरी तरह आग में घिर गई। गैस से फैली आग को आसपास के लोग बुझाने में कामयाब नहीं हो सके।इस बीच पुलिस और दमकल टीम पहुंच गई। पुलिस और दमकल टीम ने जैसे-तैसे लता और उसके बच्चे लड्डू को बाहर निकाला लेकिन तब तक लड्डू दम तोड़ चुका था। एएसपी अनुराग सिंह, गंज थाना प्रभारी पवन शर्मा ने बुरी तरह झुलसी लता और रिश्तेदार रवि को नजदीकी निजी अस्पताल भेजा, जहां से लता को बरेली रेफर किया गया।बरेली ले जाते समय लता की भी सांसें थम गईं। पुलिस ने बताया कि हादसे का कारण बने डंपर को लेकर चालक भाग गया। उसकी तलाश की जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। झुलसे रवि का इलाज चल रहा है।कुछ दूर पहले ही पेट्रोल से गैस पर की थी कार- पुलिस के मुताबिक हादसे में झुलसे रवि ने बताया कि काशीपुर गांव से कुछ पहले कार में पेट्रोल खत्म हो गया था। इसके बाद कार को सीएनजी मोड पर लिया था। कुछ आगे बढ़ते ही डंपर ने साइड से कार में टक्कर मारी, जिसके बाद फ्यूल टैंक में आग लग गई।दो सप्ताह पहले ही खरीदी थी कार

हादसे में झुलसे बरेली के जमालपुर गांव निवासी दान सिंह के चाचा रवि ठाकुर ने बताया कि दो सप्ताह पहले ही भतीजे ने यह स्विफ्ट कार खरीदी थी। नई कार की खुशी में ही पूरा परिवार नैनीताल घूमने गया था।कूदने के बाद आई बालक की याद- पुलिस ने बताया कि कार में आग लगते ही दान सिंह बाहर कूद गए। रवि झुलसे लेकिन बाहर निकल आए। उसके बाद मासूम बेटे के भीतर होने का अहसास हुआ। जब तक उधर दौड़े तब तक आग बुरी तरह भड़क चुकी थी। नजदीक के पेट्रोल पंप से अग्निशमन यंत्र लेकर आग पर काबू की कोशिश की लेकिन बात नहीं बनी। पुलिस और दमकल टीम काफी मशक्कत के बाद आग बुझा सकी।पांच साल पहले हुए हादसे में जा चुकी पहली पत्नी की जान-ग्रामीणों ने बताया कि दान सिंह के साथ पांच साल पहले भी सड़क हादसा हुआ था। बाइक से हुए उस हादसे में उनकी पहली पत्नी की मौत हो गई थी। उसके बाद ही महिला सिपाही लता से दूसरी शादी की थी। इस शादी को चार साल ही हुए थे।

27 को ही निपटा लें बैंक संबंधी काम, फिर तीन दिन रहेंगे बंद, एटीएम से मिल सकेगी राहत

28 जनवरी से दो मार्च तक बैंक बंद रहेंगे। तीन दिन तक बैंक बंद होने के कारण सभी एटीएम मशीनों में धनराशि डाली जा रही है। जिससे लोगों को परेशानी नहीं हो। बैंक से संबंधित कोई काम हो तो सर्तक हो जाए और कल (27 फरवरी) को निपटा लें। इसके बाद 28 फरवरी से दो मार्च तक तीन दिन बैंक बंद रहेंगे। इससे लेनदेन में परेशानी हो सकती है। एलडीएम की ओर से बैंकों को एटीएम में पर्याप्त धनराशि रखने का निर्देश दिए गए हैं। होली के त्योहार को देखते हुए दो और चार मार्च को अवकाश है।28 फरवरी को माह का चौथा शनिवार और एक मार्च को रविवार का अवकाश है। इस तरह लगातार तीन दिन बैंकों में अवकाश रहेगा। इसकी वजह से आपको बैंक संबंधी कोई काम हो तो उसे शुक्रवार को निपटा लें। इसके बाद बैंक तीन मार्च को खुलेंगे। जिले के लोगों को त्योहार में पैसे की कोई कमी न हो इसके लिए सभी एटीएम में पर्याप्त धनराशि रखने के निर्देश दिए गए हैं।मुरादाबाद जिले में कुल 293 एटीएम हैं। गार्ड नहीं होने की वजह से 100 एटीएम केवल दिन में खुलते हैं। एलडीएम पंकज सरन ने बताया कि तीन दिन बैंक बंद होंगे। बैंकों को निर्देशित किया गया है कि एटीएम खाली न रहे। ताकि ग्राहकों को पैसे के लेनदेन में कोई दिक्कत न हो।

एआई से अपराध की परतें खोलेगी पुलिस, एप में डाटा अपलोड, दूसरे जिले में छिपे अपराधियों पर नजर

मुरादाबाद पुलिस यक्ष एप से अपराधियों पर शिकंजा कसने की तैयारी में है। इस एप में अपराधियों का पूरा डाटा अपलोड किया जा रहा है। इसकी मदद से कुछ ही देर में संदिग्ध का आपराधिक रिकॉर्ड सामने आ सकेगा।मुरादाबाद पुलिस अब परंपरागत तरीकों से आगे बढ़कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से अपराध की परतें खोलेगी। अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस एआई आधारित स्मार्ट एप का सहारा ले रही है। जिसमें अपराधी, गैंगस्टर, हिस्ट्रीशीटर, किरायेदार और संदिग्ध व्यक्तियों का डाटा अपलोड किया जा रहा है।यक्ष नाम के इस एप को सिपाही से लेकर आईपीएस अफसर तक के मोबाइल में अपलोड कराया गया है। खासकर बीट सिपाहियों को इस एप पर अपने अपने क्षेत्रों के अपराधी, सक्रिय अपराधी, हिस्ट्रीशीटर, किरायेदार, का पूरा ब्योरा डिजिटल से जोड़ने की जिम्मेदारी दी गई है।इसमें नाम, पता, फोटो, आपराधिक इतिहास, गैंग से जुड़ाव, मोबाइल नंबर, वाहन विवरणऔर पिछले मामलों की जानकारी शामिल की जा रही है। एआई आधारित इस एप की मदद से कुछ ही सेकेंड में संदिग्ध व्यक्ति का रिकॉर्ड सामने आ जाएगा। दूसरे जिले में छिपे अपराधियों पर नजर- शातिर अपराधी एक जिले में अपराध करने के बाद दूसरे जिले में छिप जाते हैं। इन्हें तलाशने में पुलिस को समय लगता था लेकिन इस एप के जरिए एक जिले में दर्ज आरोपी की जानकारी दूसरे जिले की पुलिस भी तुरंत देख सकेगी यदि किसी संदिग्ध का नाम या फोटो किसी अन्य जिले के रिकॉर्ड से मेल खाता है तो सिस्टम अलर्ट जारी करेगा। अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए तकनीक का इस्तेमाल समय की जरूरत है। एआई आधारित यह एप हमारी जांच प्रक्रिया को तेज और सटीक बनाएगा। एक जिले में अपराध कर दूसरे जिले में छिपने वाले आरोपियों को ट्रैक करना अब आसान होगा। हिस्ट्रीशीटर और गैंगस्टर की गतिविधियों पर भी लगातार नजर रखी जाएगी। - कुमार रण विजय सिंह, एसपी सिटी

वर्दी वाला गुंडा: थाने में फरियादी की बेरहमी से पिटाई, तमाचे मारे, नीचे बैठाकर बरसाए लात-घूस

मामले की जानकारी मिलने पर एसपी अमित कुमार आनंद ने तुरंत संज्ञान लिया। उन्होंने विवादों में घिरे हेड मोहर्रिर दिनेश दिया है। साथ ही पूरे दिए हैं।यूपी के अमरोहा से जुड़े कुछ वीडियो हुए हैं। इन वीडियो में फरियादी युवक को है। इस घटना ने जिले सवाल खड़े कर घूसों से पीटा-वायरल सितंबर 2025 के बताए वीडियो सामने आए। एक युवक को कार्यालय आया हेड मोहर्रिर दिनेश देता है। वह उसे तमाचे

कुमार को लाइन हाजिर कर मामले में जांच के आदेश स्थित नौगांवा सादात थाने सोशल मीडिया पर वायरल हेड मोहर्रिर दिनेश यादव बेरहमी से पीटता दिख रहा में पुलिस की छवि पर दिए।तमाचे मारे और लात-हुए वीडियो बीते अगस्त-जा रहे हैं। गुरुवार को ये वीडियो में दो पुलिसकर्मी में लाते हैं। तभी पीछे से यादव युवक पर हमला कर मारता है, लात-घूंसों से पीटता है और कमरे के अंदर धकेल देता है। जमीन पर बैठाकर मारता रहा ठोकरें-अन्य वीडियो में भी पुलिस कर्मी युवक को कुर्सी के पास जमीन पर बैठे हुए ठोकरें मारता रहता है। पीड़ित युवक आलमपुर कैंच गांव का निवासी है और फरियाद लेकर थाने आया था। उसे हेड मोहर्रिर दिनेश यादव के कहने पर होमगार्डों ने कार्यालय में बुलाया था। पुलिस कर्मी लाइन हाजिर- मामले की जानकारी मिलने पर एसपी अमित कुमार आनंद ने तुरंत संज्ञान लिया। उन्होंने विवादों में घिरे हेड मोहर्रिर दिनेश कुमार को लाइन हाजिर कर दिया है। साथ ही पूरे मामले में जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि वीडियो पुराने लग रहे हैं, फिर भी थाने में पिटाई गंभीर मामला है। विभागीय जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में खत्म हुआ ला-नीना का असर, धूप के तेवर हुए सख्त; आने वाले दिनों के लिए चेतावनी हुई जारी

यूपी में लगातार मौसम गर्म होता जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में गर्मी के

तेवर और तल्ख होंगे। उत्तर प्रदेश में फरवरी के महीने में ही मार्च-अप्रैल जैसी गर्मी महसूस की जा रही है। दोपहर के समय सूरज के तीखे तेवरों के कारण धूप में अधिक देर तक ठहरना मुश्किल हो गया है।मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष ला-नीना के कमजोर पड़ने से सर्दी का असर जल्दी कम हुआ और गर्मी ने समय से पहले दस्तक दे दी। इसी कारण फरवरी में ही तेज धूप, गर्मी और ऊंचे तापमान का अनुभव हो रहा है।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अगले चार दिनों में प्रदेश के बुंदेलखंड और दक्षिणी हिस्सों सहित अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है। वहीं न्यूनतम तापमान में भी 2 से 4 डिग्री तक बढ़ोतरी के आसार हैं। बृहस्पतिवार को प्रदेश के कई जिलों में अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में गर्मी के और सख्त होने की संभावना जताई है।

संक्षिप्त समाचार

बस की चपेट में आने से बालिका की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती इंडो नेपाल हाइवे बांध पार कर दुर्गापुरवा घर लौट रही बालिका को प्राइवेट बस ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल बालिका को बहराइच रेफर किया गया था, जिसकी रास्ते में मौत हो गई। पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बरगदहा के मजरा दुर्गापुरवा निवासी सौम्या यादव (06) पुत्री कमलेश यादव अपने घर के सामने इंडो नेपाल हाइवे को पारकर लघुशंका करने गई थी। वहां से लौटते समय जैसे ही वह सड़क पार करने लगी। तभी बारातियों को ले जा रही एक प्राइवेट बस ने उसे टक्कर मार दिया।

कार व भैंस से टक्कर:वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त, बाल बाल बचे कार में सवार पांच लोग

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती के सोनवा थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार की भैंस से टक्कर हो गई। यह घटना चिचड़ी चौराहे से पहले

मॉडर्न धर्म कांटा के पास हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि इसमें बड़ा हादसा टल गया। कार में कुल पांच लोग सवार थे, जिनमें दो पुरुष, दो महिलाएं और एक बच्चा शामिल थे। सभी यात्रियों को सुरक्षित बताया गया है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग मदद के लिए तुरंत पहुंचे। जानकारी के अनुसार, कार सवार जमुनहा से सीतापुर की ओर जा रहे थे। रास्ते में अचानक एक भैंस सामने आ गई, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। गनीमत रही कि कार में सवार किसी भी व्यक्ति को गंभीर चोट नहीं आई।

02 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / सोनू/ नोएडा, गौतम बुद्ध नगर - थाना सेक्टर-20 पुलिस द्वारा 02 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से गाड़ियों से चोरी किए 09 टायर, 5000 रुपये नकद, 01 मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त 01 कार बरामद। कार्यवाही का विवरण- दिनांक 25.02.2026

को थाना सेक्टर-20 पुलिस द्वारा मैनुअल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना की सहायता से 02 शातिर अभियुक्त 1. भूपेन्द्र पुत्र विजेन्द्र सिंह 2. सतीश कुमार पुत्र स्व0 निहाल सिंह को गंगा अपार्टमेंट के पीछे बने नाले के पास से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से गाड़ियों से चोरी किए 09 टायर, 5000 रुपये नकद, 01 मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त 01 कार रजि0नं0- ष्ठरुंष्ठ8161 को बरामद किया गया है। पूछताछ का विवरण- पूछताछ के दौरान अभियुक्तगण द्वारा बताया गया कि दिनांक 23.02.2026 को उन्होंने थाना सेक्टर-24 नोएडा क्षेत्र में एक घर के बाहर खड़ी ब्रेजा कार के चारों टायर खोलकर चोरी कर लिये थे। चोरी किये गये टायरों को उन्होंने राह चलते ओला/उबर वाहन चालकों को औने-पौने दामों में बेच दिया था तथा प्राप्त धनराशि को आपस में बांटकर अपने शौक एवं मौज-मस्ती में खर्च कर दिया। अभियुक्तों द्वारा यह भी बताया गया कि दिनांक 09.02.2026 को सेक्टर-29 में एक घर के बाहर खड़ी बलेनो कार का एक टायर चोरी किया था। उक्त घटनाओं के संबंध में क्रमशः थाना सेक्टर-24 पर मु0अ0सं0 63/2026 धारा 303(2) बीएनएस व थाना सेक्टर-20 नोएडा पर मु0अ0सं0 64/2026 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया था।

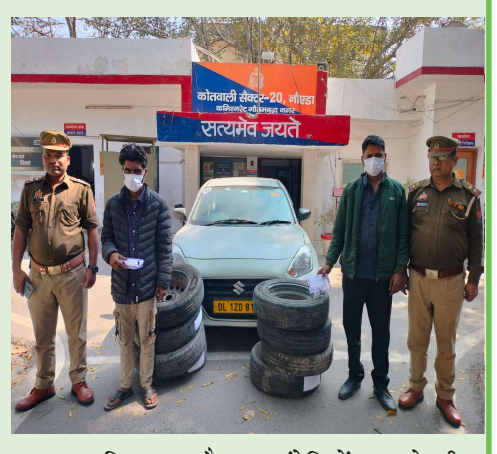

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

12 घंटे में कोतवाली पुलिस ने लापता नाबालिग बालिका को किया सुरक्षित बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में शिवपुरी पुलिस द्वारा जिले में गुम एवं अपहृत बालक-बालिकाओं की तलाश के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना कोतवाली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को महज 12 घंटे के भीतर सुरक्षित दस्तयाब कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 फरवरी 2026 को एक फरियादी ने अपनी 15 वर्षीय नाबालिग पुत्री के बिना बताए घर से चले जाने की रिपोर्ट थाना कोतवाली में दर्ज कराई थी। बालिका के नाबालिग होने के कारण पुलिस ने अपराध क्रमांक 137/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर तत्काल विवेचना शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौड़ ने बालिका की शीघ्र तलाश के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं सीएसपी श्री संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी टीआई कृपाल सिंह राठौड़ के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर संभावित स्थानों पर तलाश और पूछताछ शुरू की गई। पुलिस टीम के लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप नाबालिग बालिका को 25 फरवरी 2026 को शिवपुरी से ही सुरक्षित बरामद कर लिया गया। इसके बाद आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूर्ण कर बालिका को उसके पिता के सुपुर्द किया गया। बेटी के सुरक्षित मिलने पर परिजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया। सराहनीय भूमिका- इस कार्यवाही में थाना प्रभारी टीआई कृपाल सिंह राठौड़, सहायक उप निरीक्षक महेन्द्र कुशवाह, प्रधान आरक्षक मनीष पचौरी तथा महिला आरक्षक पूजा रावत की विशेष भूमिका रही।

महाविद्यालय के रासेयो स्वयं सेवकों द्वारा निर्माण कार्य में श्रमदान किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर के प्राचार्य रंजीत कुमार सातपुते के मार्गदर्शन में और महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी एवं रासेयो कार्यक्रम अधिकारी धीरेंद्र कुमार जायसवाल के नेतृत्व मे आज राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई स्वयं सेवकों रवीना साहू, रामकेवल बेस, रूपेश गुप्ता, दीपिका, प्रेमा जायसवाल, अंकित पांडे, हरिसागर, मंजू, अंशु, आरती जायसवाल सुनैना आदि के द्वारा महाविद्यालय प्रांगण में निर्माणाधीन मंच/स्टेज पर पड़े बहुत सारे मिट्टी को इधर-उधर हटाकर समतल करते हुए। श्रमदान कर अपना अनुभव और महाविद्यालय के प्रति एक अच्छा कार्य सोच और एक साथ मिलकर के सहभागिता का परिचय देते हुए हमारे राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा कार्य किया गया। यह सिर्फ एक मिट्टी हटाने का काम नहीं है बल्कि कॉलेज में सभी संप्रदाय जाति वर्ग विविधता में एकता का परिचय भी इसे महसूस होता है कि हम सभी किसी भी जाति धर्म के हों कॉलेज में सब एक हैं एक ही छात्र जाति है एक ही एक ही राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई हमारी पहचान है और हम उसके बैनर तले सहभागिता का परिचय देकर किसी भी कार्य को कर गुजरने की इच्छा से काम करना है यही इस आज के स्वयंसेवकों के द्वारा किए गए कार्य का उद्देश्य है कि हम बढ़ेंगे तो हमारा देश बढ़ेगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हमारे शिक्षक साथी पटेल सर प्रधान सर अनदीप मिंज जी भोला यादव एवं अन्य छात्र छात्राएं सहभागी रहे। सभी को स्वल्पाहार कराया गया।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत: पति-सास पर हत्या का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती के हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के बाढ़िहन पुरवा गांव में एक 31 वर्षीय विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। मृतका के पिता ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया है।उन्होंने पति और सास के खिलाफ नामजद तहरीर दी है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बहराइच जनपद के नानपारा कोतवाली क्षेत्र के उचवा गांव निवासी रामजियावन सिंह ने अपनी बेटी 31 वर्षीय बेटी लक्ष्मी की शादी 10 साल पहले श्रावस्ती के बाढ़िहन पुरवा निवासी राजू सिंह से की थी। पिता का आरोप है कि लक्ष्मी को कोई संतान नहीं थी, और अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर भी उत्पीड़न जारी था। परिजनों के अनुसार, दहेज की मांग पूरी न होने पर लक्ष्मी के साथ मारपीट की जाती थी। उनका दामाद राजू सिंह नशे का आदी है और प्रतिदिन नशे की हालत में लक्ष्मी के साथ मारपीट करता था। दामाद राजू सिंह घर में दुकान चलाता है। उसके पिता का निधन हो चुका है वह अपनी मां के साथ रहता है। लक्ष्मी की मौत की सूचना मायके पक्ष को ग्रामीणों के माध्यम से मिली। पिता रामजियावन का आरोप है कि जब वे मौके पर पहुंचे, तो दामाद राजू सिंह घर से फरार था, सास घर में मौजूद थी। पिता ने दावा किया कि उनकी बेटी की पीट-पीटकर हत्या की गई है और बाद में इसे आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फंदे से लटका दिया गया। पिता ने बताया कि कुछ देर बाद राजू थाने के पास मिला। पूछने पर उसने घर पर मौजूद न होने की बात कही।परिजनों के अनुसार, सुबह जब पड़ोसी दुकान पर सामान लेने पहुंचे तो दुकान बंद थी और आवाज देने पर भी दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद ग्रामीणों को लक्ष्मी की मौत की जानकारी हुई, जिसके बाद मायके पक्ष को सूचित किया गया। पीड़ित पिता ने दामाद राजू सिंह और सास के खिलाफ थाने में लिखित तहरीर देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महुली, कछवारी और मोहरसोप में होली से 3 दिन पहले होगा होलिका दहन, कई साल से निभ रही अनोखी परंपरा

अनहोनी के डर और अटूट आस्था के बीच 1 मार्च को रंगों में डूबेगा चांदनी-बिहारपुर

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी-बिहारपुर, -जहां पूरा देश पंचांग के अनुसार होली मनाने की तैयारी में जुटा है, वहीं सूरजपुर जिले के दूरस्थ चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत महुली, कछवारी और मोहरसोप में इस बार भी परंपरा अनुसार होली 3 दिन पहले यानी 1 मार्च 2026 को मनाई जाएगी। करीब एक सदी से अधिक समय से चली आ रही इस अनोखी परंपरा के तहत यहां पंचांग की तिथि से पूर्व ही होलिका दहन कर रंगोत्सव की शुरुआत कर दी जाती है। ग्रामीणों की मान्यता है कि यदि पूर्वजों द्वारा तय परंपरा का पालन नहीं किया गया तो गांव में बीमारी, आपदा या किसी प्रकार की अनहोनी हो सकती है। 1917 से निभ रही परंपरा- ग्रामीणों के अनुसार यह परंपरा सन् 1917 से चली आ रही है। पीढ़ी दर पीढ़ी गांव के बुजुर्गों ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया है। गांव में हर वर्ष बैठक कर सर्वसम्मति से तिथि तय की जाती है। होली की तिथि तय करने में गांव के बैगा की अहम भूमिका होती है। पंचांग देखने के बाद बैगा दो से पांच दिन पहले की तिथि निर्धारित करते हैं। उसी दिन होलिका दहन किया जाता है। मां अष्टभुजी देवी से जुड़ी है मान्यता- इस परंपरा के पीछे धार्मिक आस्था भी जुड़ी हुई है। गांव के समीप स्थित गढ़वतिया पहाड़ पर विराजी मां अष्टभुजी देवी को इसका केंद्र माना जाता है। बुजुर्गों का कहना है कि वर्षों पहले होलिका दहन के लिए एकत्र लकड़ियों में तय तिथि से पहले ही स्वत: आग लग गई थी। इसे देवी का संकेत मानकर उसी दिन होली मना ली गई। तब से यह क्रम निरंतर जारी है। ग्रामीण इसे देवी की कृपा मानते हैं और मान्यता है कि समय से पहले होली मनाने से गांव सुरक्षित रहता है। 1996 की घटना ने बढ़ाई आस्था- स्थानीय लोगों के अनुसार वर्ष 1996 में एक बार पंचांग की तिथि से विलंब से होली मनाई गई थी। इसके बाद गांव में हैजा (कालरा) फैल गया था। बाद में बैगा द्वारा पूजा-अर्चना और विधि-विधान से अनुष्ठान करने के बाद स्थिति सामान्य हुई। इस घटना के बाद ग्रामीणों की आस्था और प्रबल हो गई और परंपरा को और भी सख्ती से निभाया जाने लगा। एक सप्ताह तक चलता है रंगों का उत्सव- 1 मार्च 2026 को होलिका दहन के साथ ही गांव में रंगोत्सव की शुरुआत होगी। ढोलक-मंजीरे की थाप पर फाग गीत गूंजेंगे। बुजुर्ग पारंपरिक अंदाज में अबीर-गुलाल लगाएंगे तो युवा डीजे की धुन पर झूमते नजर आएंगे। ग्रामीणों के अनुसार होलिका दहन के बाद आने वाले मंगलवार तक गांव में रंगन शरीर उड़ता रहता है। आसपास के गांवों के लोग भी इस अनोखी होली को देखने और शामिल होने पहुंचते हैं। परंपरा, आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक- महुली, कछवारी और मोहरसोप की यह होली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि आस्था, सामाजिक एकता और पूर्वजों की परंपरा का जीवंत उदाहरण है। जब देश निर्धारित तिथि पर होली मनाएगा, तब तक चांदनी-बिहारपुर के ये गांव अपनी सदियों पुरानी परंपरा निभाकर रंगों से सराबोर हो चुके होंगे। 1 मार्च 2026 को एक बार फिर अनहोनी के डर और अटूट विश्वास के संग महुली सहित आसपास के गांव रंगों में डूबेंगे। ग्रामीणों की जुबानी- रामधन खेरवार ग्रामीण) ने बताया, हमारे पूर्वजों ने जो परंपरा शुरू की थी, हम उसी का पालन करते हैं। मान्यता है कि समय से पहले होली मनाने से गांव सुरक्षित रहता है। इसलिए 1 मार्च को पूरे विधि-विधान से होलिका दहन करेंगे। जुर्राखेरवार (बैगा) का कहना है,- देवी मां की कृपा से ही गांव में शांति बनी रहती है। पंचांग देखकर तिथि तय की जाती है। पहले होली मनाना हमारे लिए आस्था का विषय है। बबुवाराम पटेल (ग्रामीण) ने कहा, हम बचपन से देखते आ रहे हैं कि गांव में तीन दिन पहले ही होली खेली जाती है। इस परंपरा को निभाना हमारी जिम्मेदारी है। लालबहादुर खेरवार ने बताया, एक बार परंपरा में बदलाव हुआ था, उसके बाद गांव में बीमारी फैल गई थी। तब से कोई भी इस नियम को तोड़ने की सोचता भी नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

होली पर महिला स्व-सहायता समूह की दीदियां लगाएंगी दो दिवसीय मेला

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। होली पर्व के अवसर पर महिला स्व-सहायता समूह की दीदियों द्वारा शिवपुरी जिला मुख्यालय पर 27 और 28 फरवरी को दो दिवसीय होली मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला जिला न्यायालय परिसर के सामने स्थित मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यालय प्रांगण में आयोजित होगा। मेले में महिला समूहों द्वारा तैयार किए गए प्राकृतिक रंगों से बने गुलाल, मिठाई, नमकीन, ठंडाई, कपड़े, साड़ी, सत्तू, सरसों का तेल, मूंगफली दाना तथा मिट्टी के बर्तन सहित अन्य घरेलू एवं हस्तनिर्मित उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों पर स्थानीय स्तर पर तैयार सामग्री उचित दरों पर उपलब्ध रहेगी। मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक डॉ. अरविंद भार्गव ने बताया कि महिला समूहों को प्रोत्साहित करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से इस मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर महिला समूहों का उत्साहवर्धन करें और उनके द्वारा तैयार उत्पादों की खरीदारी करें।

ओडगी में कृषक उन्नति योजना के तहत धान प्रतिपूर्ति राशि का होगा सीधा प्रसारण

क्यूँ न लिखूँ सच / छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कृषक उन्नति योजना अंतर्गत किसानों को धान की प्रतिपूर्ति राशि का भुगतान 28 फरवरी 2026 को किया जाएगा। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री द्वारा बिलासपुर से सीधा प्रसारण के माध्यम से प्रदेश के किसानों को राशि हस्तांतरित की जाएगी। ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत ओडगी प्रांगण में किया गया है, जहाँ जनप्रतिनिधियों, कृषकों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में लाइव प्रसारण देखा जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र के किसानों को योजना की जानकारी भी प्रदान की जाएगी तथा उन्हें सरकार की कृषि हितैषी योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कृषि विभाग ओडगी के नोडल अधिकारी ने सभी जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की है। यह कार्यक्रम क्षेत्र के किसानों के लिए महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है, जिससे उन्हें धान की प्रतिपूर्ति राशि सीधे खाते में प्राप्त होगी और कृषि कार्यों को आगे बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा पीएम श्री विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण के दिशानिर्देश में 62वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, भिनगा द्वारा पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए बल में भर्ती होने हेतु एक विशेष जागरूकता कक्षा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उप कमांडेंट सोनू कुमार द्वारा विद्यालय के छात्र-छात्राओं को भारतीय सेनाओं एवं अर्धसैनिक बलों में भर्ती प्रक्रिया, आवश्यक शैक्षणिक योग्यता, शारीरिक मापदंड, लिखित परीक्षाओं तथा विभिन्न पदों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने विद्यार्थियों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन, समर्पण एवं निरंतर परिश्रम के माध्यम से राष्ट्र सेवा के लिए स्वयं को तैयार करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा भर्ती से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवाओं को देश सेवा के प्रति जागरूक करना एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना रहा। 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा युवाओं के सर्वांगीण विकास एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहे हैं।

It's not necessarily chest pain! Don't mistake these 5 heart attack symptoms for gas or fatigue.

Besides chest pain, there are other signs of a heart attack that shouldn't be ignored. Shortness of breath, fatigue, and sweating can be signs of a heart attack. Besides the chest, pain can also occur in the shoulders and jaw. Don't mistake stomach upset for acidity. The first image that comes to mind when you hear the word heart attack is of a person suddenly falling to the ground, clutching their chest. This classic symptom of a heart attack is repeatedly depicted in films and advertisements, but in reality, the symptoms are not so clear. Many heart attack patients don't experience chest pain at all, but instead display other symptoms. Recognizing these symptoms early is crucial to saving lives. Let's explore the symptoms of a heart attack that are often overlooked. Shortness of breath: If you experience shortness strenuous activity or while resting, it could be a sign of heart disease. When the heart is unable to pump blood to the rest of the body, pressure on the lungs increases, causing difficulty breathing. Shortness of breath: If you experience shortness of breath even without strenuous activity or while resting, it could be a sign of heart disease. When the heart is unable to pump blood to the rest of the body, pressure on the lungs increases, causing difficulty breathing. Pain and discomfort in other parts of the body: The pain of a heart attack isn't limited to the chest. This pain can often be felt in the shoulders, neck, jaw, back, or arms. Sometimes people mistake jaw pain for toothache, when it's actually a sign of a heart attack. Excessive fatigue and weakness: If you've been feeling extremely tired for no apparent reason for the past few days, be cautious. Women, especially, may experience extreme weakness for weeks before a heart attack. This fatigue can be so intense that even simple everyday tasks become difficult. Cold sweats and dizziness: Sudden cold sweats, without heat or exertion, are a serious warning sign. If along with this you are feeling dizzy or feel like you are going to faint, then it could be a sign of reduced blood circulation to the heart. Stomach upset and nausea- Symptoms of heart attack are often mistaken for acidity or indigestion. Feeling of pressure in the upper part of the stomach, nausea or vomiting can also be its signs. If you are repeatedly facing such problem which is not getting cured by taking antacids, then definitely consult a doctor. What to do if you feel these symptoms? - Seek help immediately- Do not try to drive yourself to the hospital. Call an ambulance or take someone's help. Stay calm- Anxiety can increase the pressure on the heart. Try to take long and deep breaths.

Whether at work or at home, how to stop taking others' comments personally?

In this article, you'll learn ways to stop taking others' comments personally, which often causes mental distress. Focus on "pause" before reacting. Understand that not everything is always about you. Learn to let go of past issues for your mental health. Has it ever happened to you that your boss at work pointed out a flaw in your work, or a relative at home taunted you, and you spent the entire day brooding over it? We're human and full of emotions, so it's very common to feel bad. However, the truth is that by taking others' comments to heart, we only take away our own mental well-being; the other person loses nothing. Yes, if you want to break this habit, accept reality and incorporate these six simple and effective tricks into your life. Use the "pause" button: When someone says something hurtful, your first reaction is to retort or get upset. This is where you need to pause. Instead of reacting immediately, take a deep breath and pause for 10 seconds. This brief pause calms your mind and gives you a chance to understand the situation properly. Not everything is about you: Sometimes, the negative things people say to you have nothing to do with you. The other person may be venting their anger on you due to personal stress, fatigue, or a bad mood. This is known as the Q-TIP (Quit Taking It Personally) rule. Don't let the garbage of others' negativity fill your mind. Understand the difference between 'fact' and 'opinion' - If someone says, "You always mess things up," think carefully about whether it's true or just their opinion. In most cases, it's just their opinion. You need to understand that one person's opinion can't become your truth. Focus on the substance, not the tone - Sometimes people give you accurate feedback, but their tone is so harsh that we take offense. In such cases, ignore their harsh tone and see if there's anything useful in what they're saying that can help you improve. If so, take that lesson; if not, let it go. Recognize your own worth - If you don't believe in yourself, the words of others will always hurt you. Accept your strengths and weaknesses. When you know who you are and how capable you are, negative comments from outsiders can't break down your confidence wall. Learn the art of letting go - Holding on to past issues is like drinking poison and hoping the other person suffers. Let go of the past. Learn to forgive, not for their sake, but for your own peace of mind. These habits may take some time to develop, but with daily practice, you can definitely become a calmer and happier person.

Jhumkas and glass bangles with jeans: Why Desi Maximalism is becoming a hit among the youth

Desi aesthetics and fashion are now trending on social media, replacing Western minimalism. Moving away from minimalism, Desi Maximalism is now the trend. Young people are embracing social media to connect with their cultural roots, nostalgia, and fusion are driving this trend. Until recently, the first thing you saw on social media was pastel colors, simple clothing, and a no-makeup look. It seemed as if minimalism had become the only rule of fashion, but now the tide has completely changed. Breaking the monotony of neutral colors, tinkling bangles, red alta, mogra gajra, and heavy vintage jewelry have made a grand comeback. Let's explore why today's modern generation is leaving behind the "less is more" philosophy and embracing the bold, colorful, and vibrant "Desi Core." What is this trend? Maximalism isn't just about having more stuff; it's also about expressing oneself freely. Vibrant colors, heavily embroidered clothing, numerous bangles, and a bindi are all commonplace. On social media, the clean-girl aesthetic has been replaced by trends like Desi Core and Vintage Romance. Why is Desi makeup making a comeback? A search for identity: In this era of globalization, everything began to look the same. Young people are realizing that adopting Western minimalism is distancing them from their roots. Jingling bangles, applying alta to feet, and adorning hair with mogra gajra have become not just fashion, but a way to connect with their culture. Social media and visual appeal: On social media platforms, content that is visually rich attracts the most attention. Compared to a plain white kurta, a colorful dupatta, earrings, and dark alta look more attractive and aesthetic on camera. This is a new canvas for content creators to showcase their creativity. Nostalgia: Today's generation is drawing inspiration from old photographs of their grandmothers. The era when makeup was a ritual feels incredibly comforting in today's fast-fashion era. The scent of jasmine flowers and the sound of bangles have an old-world charm that minimalism has never been able to provide. Digital fatigue: People are tired of the seemingly same-looking, elegant, and perfect look everywhere. Maximalism is a bit messy, yet vibrant. It reflects a person's cheerful and carefree nature, unwilling to be bound by any rules. Fusion of tradition: Interestingly, people are embracing it not as a cliché, but as a fusion. Wearing heavy silver bracelets with jeans or adding alta to co-ord sets has become the new fashion trend. This trend shows that the fashion cycle always comes back around.

How did King Kong enter cinema? The first animated hero was seen on the big screen.

The character of King Kong is immensely popular in the world of cinema. But do you know when and how it originated? King Kong is the work of this filmmaker. So many movies have been made since 1933. The character was created using this technique. The popularity of animated films and characters is quite evident in the world of cinema. Hollywood cinema has played a particularly important role in this area. Jurassic Park and King Kong are strong examples of this. Based on this, today we are going to tell you about King Kong's entry into the film industry. Where did the idea come from and how the first film was made. Let's understand King Kong's story in detail: The first King Kong came in 1933 - Famous Hollywood filmmaker C. Cooper is considered the father of King Kong in cinema. Under his leadership, 'King Kong' had its world premiere on March 2, 1933. Using stop-motion technology, an 18-inch model was projected onto the big screen as a 50-foot-tall monster. This marked the first time a leading character in a feature film was animated. The idea for King Kong came to C. Cooper while conducting research on natural disasters and wildlife in Africa. He envisioned a fight between a real gorilla and a real Komodo dragon to entertain audiences. His desire to portray this fight sequence on the big screen led him to animation. Cooper, along with Willis O'Brien, brought his imagination to life and created the character of the King Kong monster. It's worth noting that only a small 18-inch model was created for this purpose, built on an iron frame. The creators of King Kong's voice were meticulous in creating the roar sound for the film. They recorded the sounds of lions and tigers at a zoo. After this, with the help of special technology, the voices of both the animals were played backwards and forwards and mixed together. This process created a new and unique voice. Sound engineer Murray Spivack created the terrifying voice of King Kong. For this, he used the 'leimotif' technique for the first time. At that time, Cooper spent $50,000 from his own pocket to hire musician Spivack. The budget of the film was $600,000, while it earned $5 million. King Kong films - Over time, different films of the King Kong franchise have been presented on the big screen. In which this gorilla has been shown to be even more dangerous and gigantic. Details of films made on King Kong - King Kong - 1933 Son of Kong - 1933 King Kong vs Godzilla - 1963 King Kong Escapes - 1967 King Kong - 1976 King Kong Lives - 1986 King Kong - 2005 Kong - Skol Island - 2017 Godzilla vs Kong - 2021

Netflix announces Made in Korea release date, will stream on this date

Netflix is ??all set to premiere Priyanka Mohan's Tamil film "Made in Korea" this March, taking viewers on a captivating journey from a small town in Tamil Nadu to the vibrant streets of Seoul. Netflix announces Made in Korea release date. When will Priyanka Mohan's film stream? Priyanka Mohan plays the lead role. Netflix is ??set to take viewers on a cross-continental journey this March. The streaming platform has announced that the Tamil-language film "Made in Korea" will premiere on its OTT platform, bringing together small-town dreams and the vibrant energy of South Korea. What is the story of "Made in Korea"? Produced by Rise East Entertainment and written and directed by Ra. Karthik, the film tells the story of Shenbagam, fondly known as Shenba, a girl from a small town in Tamil Nadu whose long-cherished dream is to travel to South Korea. What begins as a quiet fascination soon turns into a life-changing journey when she finds herself on the bustling streets of Seoul. Essentially, Made in Korea explores Shenba's lifelong curiosity about Korean culture, an interest she's had since childhood. In Seoul, she faces unexpected challenges that test her mettle and push her to self-discovery. The story explores themes such as hope, cultural connections, and the quiet courage found in everyday decisions. When and where will the film release? Announcing the release, Netflix India shared a fun note on social media teasing the film's story and sense of adventure. The platform confirmed that the film will stream in Tamil, Telugu, Hindi, Kannada, and Malayalam starting March 12th. Speaking about her role in Made in Korea, Priyanka Mohan said she immediately felt a connection to Shenba's journey. She explained, "Her dream of Korea stems from wonder and curiosity. I connected with the story the moment it was first narrated, and being a part of a Netflix film makes the experience even more special." Priyanka Mohan plays Shenba, showcasing the character's emotional and personal growth as she steps out of her comfort zone. The film also stars South Korean actors Park Hye-jin and No Ho-jin, who add authenticity to its cross-cultural setting. Made In Korea promises a sweet, relatable story of identity, friendship, and finding one's place in an unfamiliar world. The film will begin streaming on Netflix on March 12th.

This actor will play a 'goon' in Toxic, will 'Bheera' give Rocking Star Yash a tough competition?

Buzz is rife about Rocking Star Yash's upcoming film, Toxic. Now, the secret of the movie's villain has been revealed, who could be seen giving Yash a run for his money. This actor will play the villain in Toxic - Toxic will be released on this date. Fans are eagerly awaiting this film, starring actor Yash, who has made a special place in fans' hearts with the KGF franchise. For a long time, Toxic has been a topic of discussion due to its large cast. Now, Yash has revealed the actor who will play the goon in Toxic. Let's find out who the actor will be. This actor could be the villain in Toxic. The film, Toxic, is a period drama gangster thriller, in which Yash himself will be seen playing a gangster. This movie will feature a plethora of villains to challenge him. Yash himself has now revealed one of those actors. Renowned South Indian actor Balaji Manohar will also be seen in Toxic. Yash shared Manohar's first look from the film on Instagram, along with the news that Balaji Manohar will be playing the character of Bhira in Toxic. Judging by his intense look, it's easy to guess that Manohar will be making his presence felt as the villain in Toxic. This poster has further heightened the excitement for Toxic. Previously, other cast members and characters from Toxic have also been revealed, including the characters and looks of Bollywood actors Akshay Oberoi (Tony) and Sudev Nair (Karamani). Toxic will be released in theaters worldwide on March 19, 2026.

Toxic's large cast: Renowned South Indian director Geetu Mohandas has directed Yash's Toxic. This multi-starrer film stars Yash, along with Kiara Advani, Huma Qureshi, Rukmini Vasanth, Akshay Oberoi, Sudev Nair, Tara Sutaria, and Nayanthara in pivotal roles. The film's recently released teaser revealed that Yash will be playing a double role in Toxic.